दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 31 | अंकः 211 | भोपाल, गुरुवार 13 अगस्त 2026 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेश से मध्यप्रदेश बनेगा आत्मनिर्भर,15 हजार से अधिक रोजगार होंगे सृजित : मुख्यमंत्री

टोरेंट ग्रुप प्रदेश में 43 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कर रहा है निवेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अहमदाबाद में टोरेंट ग्रुप के चेयरमैन श्री समीर मेहता से की मुलाकात

- अनूपपुर में 22 हजार करोड़ के निवेश से 1600 मेगावाट की ताप विद्युत परियोजना का निर्माण जारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति और राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में टोरेंट ग्रुप द्वारा प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। टोरेंट ग्रुप की संचालित एवं विकासाधीन विभिन्न परियोजनाओं से प्रदेश में 43 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जा रहा है, जिससे 15 हजार से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद में टोरेंट ग्रुप एवं टोरेंट पावर लिमिटेड के चेयरमैन श्री समीर मेहता से भेंट एवं उच्चस्तरीय विचार-विमर्श के बाद कही। इस दौरान आद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन के अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, सचिव श्री जॉन किंसले और एमडी, एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला उपस्थित रहे। **अनूपपुर में 22 हजार करोड़ रुपए की 1,600 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना-** राज्य की दीर्घकालिक विद्युत आपूर्ति एवं बेसलोड क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए अनूपपुर जिले में टोरेंट पावर द्वारा 1,600 मेगावाट क्षमता की अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना स्थापित की जा रही है। लगभग 22,000 करोड़ रुपए के निवेश वाली इस परियोजना से लगभग 7000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के साथ 27 जनवरी 2026 को पावर परचेज एग्रीमेंट निष्पादित किया जा चुका है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण हो चुका है और एलएंडटी और टाटा प्रोजेक्ट्स जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं को कार्य आवंटित कर दिए गए हैं। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त होने के साथ ही वर्तमान में स्थल पर प्री-कंस्ट्रक्शन गतिविधियां तेजी से जारी हैं। **पंप्ड स्टोरेज, पवन ऊर्जा और अतिरिक्त थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स का विस्तार-** हरित ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण को बढ़ावा देने के क्रम में छिंदवाड़ा जिले में 1,500 मेगावाट क्षमता की पातालकोट पंप्ड स्टोरेज परियोजना पर कार्य चल रहा है, जिसमें 7,500 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है और इससे लगभग 4,000 रोजगार सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त रतलाम एवं उज्जैन में 250 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना विकासाधीन है, जिसमें 2,000 करोड़ रुपए का निवेश और 500 रोजगार शामिल हैं। मंदसौर में समूह की 36 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा इकाई पूर्व से सफलतापूर्वक संचालित है। साथ ही टोरेंट ग्रुप द्वारा 800 मेगावाट क्षमता की एक और अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर परियोजना पर भी कार्य किया जा रहा है, जिसमें 11,000 करोड़ रुपए के निवेश से 3,500 रोजगार मिलने का प्रावधान है। **भावी ऊर्जा जरूरतों के लिए 2,800 मेगावाट की ऊइऋड-ड निविदा में आमंत्रण-** राज्य की बढ़ती विद्युत मांग तथा भविष्य की विश्वसनीय विद्युत उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2036-37 तक राज्य को लगभग 1,900 मेगावाट अतिरिक्त ताप विद्युत आवश्यकता का आंकलन किया गया है। इसके दृष्टिगत राज्य सरकार द्वारा कुल 2,800 मेगावाट ताप विद्युत क्षमता के क्रय हेतु ऊइऋडड (डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट) आधार पर पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टोरेंट पावर को इस विशाल निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। **पीथमपुर में फार्मा इकाई का सफल संचालन और समूह का वैश्विक विजन-** ऊर्जा क्षेत्र के साथ टोरेंट ग्रुप द्वारा धार जिले के पीथमपुर में वरऋऊअ अनुमोदित अत्याधुनिक फार्मा विनिर्माण इकाई का सफल संचालन किया जा रहा है। 300 करोड़ रुपए के निवेश से संचालित इस इकाई से 400 से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। अहमदाबाद स्थित टोरेंट ग्रुप की प्रमुख ऊर्जा कंपनी टोरेंट पावर की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 5.1 गीगावाट है और कंपनी वर्ष 2030 तक 10 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। टोरेंट ग्रुप का यह बहुआयामी निवेश मध्यप्रदेश के सर्वांगीण औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति देगा। **ऊर्जा, फार्मा और सिटी गैस क्षेत्र में सक्रिय है टोरेंट ग्रुप-** अहमदाबाद स्थित टोरेंट ग्रुप देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों में शामिल है। समूह की गतिविधियां ऊर्जा, फार्मास्युटिकल्स और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हैं। समूह की प्रमुख ऊर्जा कंपनी टोरेंट पावर विद्युत उत्पादन, ट्रांसमिशन, वितरण, नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में कार्यरत है। कंपनी की स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता लगभग 5.1 गीगावाट है। कंपनी वर्ष 2030 तक लगभग 10 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लक्ष्य के साथ सौर, पवन, हाइब्रिड, बैटरी स्टोरेज एवं पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं में निवेश कर रही है।

मुंबई में पहाड़ का हिस्सा ढहा

सात लोगों की मौत, सात लोग घायल, मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी

महापौर रितु तावड़े ने हादसे पर दुख जताया

बारिश और संकरी गलियों ने बढ़ाई मुश्किल

2000 की भयावह दुर्घटना की यादें ताजा

मुंबई। मुंबई में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच घाटकोपर पूर्व के अशोक नगर और चिराग नगर इलाके में बुधवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। गौसिया चॉल के पीछे स्थित पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया और मलबा दो से तीन घरों पर जा गिरा। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि सात लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मलबे में कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। मुंबई महानगर पालिका के अग्निशमन दल के अनुसार, हादसा बुधवार तड़के करीब 3.48 बजे हुआ। राठौड़ मेडिकल के पास गौसिया चॉल के पीछे पहाड़ी का हिस्सा अचानक धंस गया। इसके बाद बड़ी मात्रा में मिट्टी, पत्थर और मलबा नीचे स्थित घरों पर आ गिरा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, मनपा के एल-वॉर्ड के कर्मचारी और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गए। बचाव दल ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया।

भाभा अस्पताल में चार घायल

कुर्ला स्थित भाभा अस्पताल में चार घायलों को भर्ती कराया गया है। इनमें सोहेल अंसारी (18) के सिर में चोट आई है। इसके अलावा मोहम्मद अंसारी (14), नईमुद्दीन इकबाल खान (28) और साजिद अंसारी (16) का इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार सभी की हालत स्थिर है।

राजावाड़ी अस्पताल में 7 की मौत

राजावाड़ी अस्पताल में कुल 10 लोगों को लाया गया था। इनमें से डॉक्टरों ने 7 लोगों को मृत घोषित किया, जबकि तीन घायलों का उपचार जारी है। मृतकों में मोहम्मद समीर अंसारी (14), साहिल हुसैन अब्दुल काजी (19), एक अज्ञात व्यक्ति (45), अबान आरिफ शेख (2), मन्नत आरिफ शेख (4), मर्जिना आरिफ शेख (27) और विकेत रमेश यादव (27) शामिल हैं। घायलों में फराना दिलबर खान (28), दिलबर अमनुल्ला खान (38) और शमीन मुस्लिम खान (26) शामिल हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

बारिश और संकरी गलियों ने बढ़ाई मुश्किल

हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। लगातार हो रही बारिश, अंधेरा और संकरी गलियों के कारण बचाव दल को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। घटनास्थल तक भारी मशीनरी पहुंचाना भी चुनौती बना हुआ है। ऐसे में बचावकर्मी सावधानीपूर्वक मलबा हटाकर उसमें दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। स्थानीय विधायक दिलीप लांडे ने हादसे में दो लोगों की मौत की जानकारी दी है। महापौर रितु तावड़े ने हादसे पर दुख जताया महापौर रितु तावड़े ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा किए जाने की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि खतरनाक स्थानों पर स्थित कुछ घरों को पहले ही नोटिस जारी किए गए थे। प्रशासन का कहना है कि कुछ नागरिकों ने इन नोटिसों का पालन नहीं किया। उपसभापति सचिन अहिर ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया विधान परिषद के उपसभापति सचिन अहिर ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और राहत एवं बचाव अभियान की समीक्षा की। उनके मुताबिक, बचाव दल ने एक व्यक्ति को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला है। वहीं, दो और लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई गई है। हादसे के बाद प्रशासन ने राहत कार्य तेज कर दिया है। सचिन अहिर ने बताया कि मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने के लिए प्रत्येक परिवार के बैंक खाते में 4 लाख रुपये जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

राहुल गांधी सितंबर में आएंगे उज्जैन

- संभाग के कांग्रेस कार्यकताओं से करेंगे संवाद; महाकाल दर्शन भी संभावित

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सितंबर में उज्जैन आ सकते हैं। प्रस्तावित दौरे में वे उज्जैन संभाग के कांग्रेस संगठन सृजन के तहत नियुक्त पदाधिकारियों और कार्यकताओं से सीधे संवाद करेंगे। कार्यक्रम में उज्जैन के अलावा रतलाम, शाजापुर, देवास, आगर मालवा, मंदसौर और नीमच जिलों के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे की जानकारी सामने आने के बाद कांग्रेस संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। उज्जैन जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश परमार और शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी कार्यक्रम की तैयारियों और संगठनात्मक रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि, दोनों नेता अभी दौरे को लेकर सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी देने से बच रहे हैं। राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए क्षीरसागर और कार्तिक मेला ग्राउंड को संभावित स्थल के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासन की ओर से जिस स्थान की अनुमति मिलेगी, वहीं कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्थल तय होने के बाद वहां डोम सहित अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी। प्रस्तावित कार्यक्रम में राहुल गांधी संभाग के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं से संगठन की जमीनी स्थिति की जानकारी लेंगे। बैठक में जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला और ब्लॉक कार्यकारिणी के सदस्य, मंडलम अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी, ग्राम पंचायत अध्यक्ष और बीएलए-2 सहित अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे। पंचायत और मंडलम स्तर के कार्यकताओं पर फोकस राहुल गांधी पंचायत कमेटियों के अध्यक्षों और मंडलम कमेटियों के पदाधिकारियों से भी बातचीत करेंगे। इस दौरान संगठन को बूथ और पंचायत स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं की भूमिका बढ़ाने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस संगठन सृजन के माध्यम से तैयार किए गए नए संगठनात्मक ढांचे के पदाधिकारियों से राहुल गांधी का सीधा संवाद पार्टी के लिए अहम माना जा रहा है। इसके जरिए प्रदेश में संगठन की जमीनी स्थिति, कार्यकताओं की सक्रियता और स्थानीय स्तर की चुनौतियों की जानकारी लेने की कोशिश होगी। राहुल गांधी के उज्जैन दौरे की तारीख अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुई है।

सार-समाचार

इंडिगो के इंजन में खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग

चेन्नई। चेन्नई एयरपोर्ट पर मंगलवार देर रात एक इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिग कराई गई। के मुताबिक, फ्लाइट कोलकाता से चेन्नई आ रही थी। फ्लाइट चेन्नई में लैंड करने वाली थी, तभी पायलट ने महसूस किया कि बायां इंजन फेल हो गया है। उसने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद चेन्नई एयरपोर्ट पर रात 11:29 बजे फुल इमरजेंसी घोषित की गई। इसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिग हुई। विमान में 224 लोग सवार थे। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-723 रात 9:15 बजे कोलकाता से रवाना होनी थी, लेकिन यह करीब 25 मिनट की देरी से रात 9:39 बजे रवाना हुई। विमान को रात 11:30 बजे चेन्नई पहुंचना था।

ट्रक-ऑटो की टक्कर, 6 की मौत

संगारेड्डी। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में मंगलवार रात ऑटो-रिक्शा और ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। छह लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना रात करीब 8 बजे सतवार एक्स रोड पर हुई। ऑटो में ड्राइवर के अलावा 11 महिलाएं सवार थीं। सभी कर्नाटक के बीदर की रहने वाली कृषि मजदूर थीं और काम खत्म करके घर लौट रही थीं। मरने वालों में एक ऑटो ड्राइवर और 5 महिलाएं थीं। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई थी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जहीराबाद और संगारेड्डी के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और हादसे की वजह का पता लगाया जा रहा है।

जेल में बंद प्रज्वल रेवन्ना के पास फोन मिला

बेंगलुरु। बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने छापेमारी की। इसमें पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास मोबाइल और पेन ड्राइव मिली है। जेल ष्ठत्रक्क अलोक कुमार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फुटेज की जांच चल रही है। सेंट्रल जेल के स्क्क को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट को सस्पेंड किया गया है। रेवन्ना जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। वह रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने अप्रैल 2024 में रेवन्ना के खिलाफ दर्ज कराई थी। इसमें रेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था।

स्पाइसजेट फ्लाइट का एसी खराब

नई दिल्ली। दिल्ली से पुणे जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में मंगलवार रात एसी खराब होने से करीब 150 यात्रियों को परेशानी हुई। केबिन का टेम्परेचर इतना बढ़ गया कि कुछ यात्रियों को सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी। यात्रियों के विरोध के बाद फ्लाइट रद्द कर दी गई। इसके बाद यात्री छह घंटे से ज्यादा समय तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। बुधवार सुबह दूसरी फ्लाइट से उन्हें पुणे पहुंचाया गया। यात्रियों के मुताबिक, केबिन में एसी और वेंटिलेशन ठीक से काम नहीं कर रहा था। उनका आरोप है कि इस दौरान उन्हें खाने के कूपन या नाश्ता भी नहीं दिया गया।

पाकिस्तानी जासूस

बांग्लादेश बॉर्डर से गिरफ्तार

परगना। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने बुधवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकी को गिरफ्तार किया। उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस से संबंध हैं। वह जासूसी और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार आतंकी की पहचान राना रऊफ के रूप में हुई है। भारत में वहाब आलम के नाम से रह रहा था। बांग्लादेश भागने की कोशिश में था। उसे 24 परगना जिले के बनगांव से गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, रऊफ मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला है। वह 2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था।

जांच में कैश और सबूतों में मिलीं खामियां

जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोप साबित

नई दिल्ली। पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े जले हुए नोटों के मामले में जांच समिति की रिपोर्ट बुधवार को संसद के दोनों सदनों में पेश कर दी गई। तीन सदस्यीय जांच समिति ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सिद्ध माना है। रिपोर्ट में आधिकारिक आवास से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने, उससे जुड़े भौतिक साक्ष्यों के संरक्षण में लापरवाही और जांच के दौरान दिए गए स्पष्टीकरण को असंतोषजनक पाए जाने की बात कही गई है। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपने के कई महीने बाद इसे संसद के पटल पर रखा। लोकसभा

और राज्यसभा में संबंधित महासचिवों ने रिपोर्ट पेश की। दो खंडों में तैयार रिपोर्ट में जांच के दौरान दर्ज किए गए मौखिक बयानों और जुटाए गए दस्तावेजी साक्ष्यों को शामिल किया गया है। यह मामला मार्च 2025 में जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास से जुड़ा है। उनके सरकारी आवास 30, तुगलक क्रेसेंट में आग लगने के बाद दमकलकर्मियों को स्टोररूम से बड़ी मात्रा में जले हुए 500 रुपये के नोट मिले थे। घटना के बाद नकदी की मौजूदगी और उसके स्रोत को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। मामला सामने आने के बाद जस्टिस वर्मा के खिलाफ आंतरिक जांच की प्रक्रिया शुरू हुई। बाद में तीन सदस्यीय समिति गठित कर पूरे मामले की जांच कराई गई। समिति ने उपलब्ध दस्तावेजों, प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार की।

घाटकोपर में तबाही,

लैंडस्लाइड से 7 की मौत

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर इलाके में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। सुबह करीब 3:48 बजे गौसिया चाल में पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर कई घरों पर जा गिरा। हादसे के समय लोग सो रहे थे। अब 7 लोगों की मौत हुई। 4 लोग घायल हुए हैं। बारिश को हादसे की वजह बताया जा रहा है। डीसीपी गणेश शिंदे ने बताया कि 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हालांकि सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बीएमसी के अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए रेस्क्यू टीम स्पेशल विक्टिम-डिटेक्शन कैमरों की मदद ले रही है। घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता 3 से 3.5 फीट चौड़ा है।

जेपीसी के पास भेजा गया एफसीआरए संशोधन विधेयक

नई दिल्ली। एफसीआरए संशोधन विधेयक को जेपीसी के पास भेजने की सहमति बन गई है। बिल को जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पेश किया, जो पारित हो गया। प्रस्तावित जेपीसी (जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) में कुल 31 सदस्य होंगे, जिनमें से 21 सदस्य लोकसभा से और 10 सदस्य राज्यसभा से होंगे। प्रस्ताव में कहा गया कि विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक 2026 को सदनों की एक संयुक्त समिति को भेजा जाए, जिसमें लोकसभा के माननीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत इस सदन के 21 सदस्य और राज्यसभा के माननीय सभापति द्वारा मनोनीत 10 सदस्य होंगे। समिति को विधायी प्रावधानों की गहन जांच करने का काम सौंपा गया है और समिति को 2026 के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक संसद को अपनी रिपोर्ट देनी होगी। विपक्ष की मांग- बिल वापस ले सरकार हालांकि, विपक्ष ने सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध किया। कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों और एनजीओ को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। हमारी मांग है कि सरकार इस बिल को वापस ले। विपक्ष के आरोपों पर जवाब देते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केसी वेणुगोपाल ने गलत बोला है।

खुदरा महंगाई लगातार सातवें महीने बढ़ी, जुलाई के महीने में महंगाई ने आम आदमी का पूरा बजट बिगाड़ दिया

शहरों की तुलना में गांवों में खाने का सामान ज्यादा महंगा

- इस बढ़ोतरी के पीछे सबसे बड़ी वजह खाने-पीने के सामान की आसमान छूती कीमतें हैं

नई दिल्ली। जुलाई के महीने में महंगाई ने एक बार फिर जनता की जेब पर दबाव बढ़ा दिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश की खुदरा महंगाई दर जून के 4.38 प्रतिशत से बढकर जुलाई में 4.45 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह लगातार दूसरा महीना है जब महंगाई दर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 4 प्रतिशत के तय लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। इस बढ़ोतरी के पीछे सबसे बड़ी वजह खाने-पीने के सामान की आसमान छूती कीमतें हैं। जब भी खाने के सामान के दाम बढ़ते हैं, तो इसका सीधा असर हर घर की रसोई और हर महीने के बजट पर पड़ता है। यह नया आंकड़ा इस साल लागू हुई नई सीपीआई सीरीज (आधार वर्ष और बदले हुए खपत बास्केट) के बाद का सबसे उच्चतम स्तर भी है। रसोई का बजट बिगाड? वाली चीजें अगर हम सिर्फ खाने-पीने की चीजों की बात करें, तो कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स जून के 5.32 प्रतिशत से उछलकर जुलाई में 5.52 प्रतिशत हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि शहरों (5.05 प्रतिशत) के मुकाबले गांवों (5.79 प्रतिशत) में खाने-पीने की चीजें ज्यादा महंगी हुई हैं। इस बार आपकी थाली से प्याज, लहसुन और अदरक की दूरी बढ? वाली है। आंकड़ों पर नजर डालें तो जुलाई में प्याज की महंगाई दर 4.73 प्रतिशत से सीधे 22.54प्रतिशत तक पहुंच गई है। लहसुन की महंगाई 17.93 प्रतिशत से बढकर 35.36 प्रतिशत हो गई है, जबकि अदरक की कीमतों ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 50.41 प्रतिशत से छलांग लगाकर 83.62 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दर्ज की है। हालांकि, कुछ सब्जियों ने थोड़ी राहत भी दी है। आलू की कीमतों में पिछले साल के मुकाबले 16.56 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके अलावा भिंडी, मटर और टमाटर के दाम भी घटे हैं, जिससे सब्जी मंडी जाने पर ग्राहकों को थोड़ा सुकून मिल सकता है।

ट्रांसपोर्ट से लेकर ब्यूटी प्रोडक्ट तक की मार

महंगाई की यह मार सिर्फ खाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आपके रहन-सहन के कई दूसरे खर्चों पर भी इसका असर दिख रहा है। सफर करना भी अब थोड़ा महंगा हो गया है क्योंकि ट्रांसपोर्ट महंगाई दर 4.31 प्रतिशत से बढकर 4.43 प्रतिशत हो गई है। माल ढुलाई सेवाओं में यह आंकड़ा 7.77 प्रतिशत दर्ज किया गया है। दूसरी तरफ, आवास (हाउसिंग) महंगाई दर 2.22 प्रतिशत रही। अगर आप बाहर खाना खाने के शौकीन हैं या कपड़े खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो बता दें कि रेस्तरां व आवास सेवाओं में 7.72 प्रतिशत और कपड़ों-जूतों में 3.38 प्रतिशत की महंगाई देखी गई है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाला आंकड़ा पर्सनल केयर, सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी चीजों का है, जहां महंगाई 14.77 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं में 1.34 प्रतिशत और शिक्षा सेवाओं में 3.64 प्रतिशत की दर से महंगाई बढ़ी है।

संपादकीय

मानसून के कितने प्रश्न

बरसात में टपकती छतों, टूटती सड़कों, उखड़ती जलपरियोजनाओं और उखड़ते बिजली के खंभों के हजारों दोष अगर विधानसभा का मानसून सत्र जानता है, तो तमाम विधायकों को शत् शत् प्रणाम, वरना अब तक विधानसभा पहुंचे करीब पांच सौ प्रश्नों में हम किसमें अपना भविष्य खोजें। प्रश्न जनता की कचहरी से उठकर विधानसभा के कक्ष में उद्गार बनें, तो प्रदेश की असली सत्ता हितमतगार बनेगी। ये प्रश्न बाहें फैलाए हर बार विधानसभा के सत्रों से पूछते हैं कि फलां सडक़ पर गड्ढे क्यों हैं या ढह गई पुलिया पर दोबारा काम क्यों नहीं हुआ। अगर हम सडक़ दुर्घटनाओं में मारे गए सैकड़ों लोगों का वृत्तांत सुन लें, तो सत्र की चर्चा में सडक़, परिवहन, वाहन सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था पर विशेषण कर पाएंगे। अगर चिट्टे पर चर्चा करेंगे, तो शिक्षा की जरूरतों, अभिभावकों की मन्नतों और कानून-व्यवस्था के अमल पर संवेदनशील होंगे। क्यों पानी में आज भी पीलिया बहता और क्यों हल्के से तूफान से बिजली गुल होती। क्यों अस्पताल में आकर व्हील चेयर नहीं मिलती और क्यों दफ्तर की सीट पर सरकारी पगार पाने वाले की तस्वीर नहीं मिलती। प्रश्न सामान्य हैं, लेकिन उत्तरों की परिधि लंबी है। लंबे दौर की बहस में आम जनता के प्रश्न बौने हैं, क्योंकि सियासी करवटों ने सदन की बहस का कुआं खाली कर रखा है। सदन की मुंडेर पर न तो कौआ कांय कांय करता और न ही आगंतुक प्रश्नों को पूरा समय मिलता। इस बार सदन की दोपहर से पहले कई राजनीतिक ग्रहण प्रदेश में घूम रहे हैं। वातावरण आग बबूला है और जहां कई ज्वालामुखी फट रहे हैं, तो हिमाचल की आशाएं-अभिलाषाएं अपनी जुबान, अपनी भाषा में सदन की कार्यवाही देखना चाहती हैं। विडंबना यह है कि राजनीति ने जो भाषा चुनी है, उसके अर्थ इस बार मानसून सत्र को क्रोधित, अंतहीत और मर्यादाविहीन कर सकते हैं। विडंबना भी यही है कि सदन की कार्यवाही अब दिनचर्या का अनुशासन नहीं और न ही बिजनेस का अनुशीलन है, बल्कि समय गुजारती अतिहीन राजनीति का अखाड़ा बनती जा रही। बेशक ऐसे ही प्रश्न इस वक्त हिमाचल में सियासत की खेती कर रहे हैं। विपक्ष के विधायकों की जुबान फिसल रही है और ऐसा लगता है कि यहां की जनता-यहां के मतदाता किस खेत की मूली हैं। घायल प्रश्नों की खेप से आहत सत्ता और विपक्ष का सियासी चरित्र अगर गुत्थम-गुत्था है, तो हमारे सरोकार परेशान हैं-लज्जित हैं। कभी हिमाचल विधानसभा की कार्यवाहियों में हंसी-ठठोली का एक पक्ष सत्ता, दूसरा विपक्ष होता था। बड़े मद्दों की साझेदारी में विपक्ष की भागीदारी अगर बची ही नहीं, तो हंगामा सदन की पेशकश बनता रहेगा। बेशक बड़ी तैयारी में आएंगे इस बार दोनों पक्ष। प्रश्न अपनी व्यावहारिक अंगुलियां उठाएंगे तो जवाब के प्रदर्शन में सरकार की परिपक्वता, ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता से आएंगे वरना उत्तरों की धमाल में समाज के अर्थ बहरूपिए हो जाएंगे। बेशक विकास के सवालों पर हिमाचल विधानसभा का रिकार्ड अच्छा है, लेकिन आधुनिक संदर्भों में बहिर्गमन के पांव पूरा सदन चलने लगा है। हिमाचल के भविष्य के प्रश्न बढ़ती उधारी, घटते रोजगार, आपदाओं के दौर और प्रशासनिक सुधारों के वक्तव्य में अर्थ खोजते हैं। हिमाचल के लिए मानसून सत्र अगर बरसात की कुंडली खोले तो सरकार का प्रदर्शन और दिल्ली सरकार का रवैया सामने आएगा। प्रश्न यह नहीं कि गारंटियों में सरकार महिलाओं की तादाद को किस हद तक पंद्रह सौ रुपए दे पाई, बल्कि यह भी है कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित आपदा राहत के पंद्रह हजार करोड़ रुपए कब आएंगे। कब पंजाब पुनर्गठन की भावना में हिमाचल को 7.19 प्रतिशत दर से अपने अधिकार मिल पाते हैं।

तिरंगा राष्ट्र की आन,बान और शान

'हर घर तिरंगा' केवल अभियान नहीं,स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से नई पीढ़ी को जोड़ने वाला राष्ट्रप्रेम का जनआंदोलन

तिरंगा केवल तीन रंगों से बना राष्ट्रीय ध्वज नहीं है।तिरंगा भारत की आत्मा है,भारत के स्वाभिमान का प्रतीक है और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का जीवंत प्रतिबिंब है।इसके प्रत्येक रंग में भारत की एक कहानी है,प्रत्येक लहर में स्वतंत्रता संघर्ष की स्मृति है और प्रत्येक धड़कन में उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान समाया हुआ है, जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।तिरंगा जब आकाश में लहराता है तो उसके साथ केवल तीन रंग नहीं लहराते,बल्कि भारत का गौरव लहराता है।शहीदों की स्मृतियां लहराती हैं। स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग लहराता है।देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता का संकल्प लहराता है।

विनोद सिंह 'तकियावाला'

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 'हर घर तिरंगा' अभियान की इसी व्यापक भावना को सामने रखते हुए कहा कि 'तिरंगा राष्ट्र की आन, बान और शान है। प्रत्येक भारतीय की पहचान है।' यह केवल एक वाक्य नहीं,बल्कि उस राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति है,जिसने भारत को गुलामी की लंबी रात से निकालकर स्वतंत्रता के उजाले तक पहुंचाया।मंत्री ने स्पष्ट किया कि 'हर घर तिरंगा' को केवल सरकारी कार्यक्रम के रूप में देखने की आवश्यकता नहीं है।यह राष्ट्रप्रेम को जनभागीदारी में बदलने वाला अभियान है।उन्होंने देशवासियों से अपने घर, संस्थान और कार्यस्थल पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने तथा अभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया। उनके संबोधन में राष्ट्रध्वज केवल एक प्रतीक नहीं,बल्कि भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को जोड़ने वाली वह शक्ति बनकर सामने आया,जिसके नीचे हर भारतीय अपनी पहचान पाता है।यही इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता है कि तिरंगा सरकार की इमारतों से निकलकर आम नागरिक के घर तक पहुंच रहा है। गांव की पगडंडी से लेकर महानगरों की ऊंची इमारतों तक, विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक और बाजार से लेकर रेलवे स्टेशन तक तिरंगा भारत की साझा पहचान का संदेश दे रहा है।'हर घर तिरंगा' की इस भावना को समझने के लिए हमें उस इतिहास की ओर लौटना होगा, जिसकी कीमत हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने रक्त से चुकाई थी।भारत की आजादी कोई उपहार नहीं थी। यह संघर्ष से प्राप्त हुई थी। भगत सिंह,राजगुरु और सुखदेव ने हंसते हुए फांसी का फंदा चूमा। चंद्रशेखर आजाद ने अंतिम सांस तक अंग्रेजी सत्ता के सामने झुकना स्वीकार नहीं किया।रामप्रसाद बिस्मिल और अशफाकउल्ला खां ने देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज के माध्यम से स्वतंत्रता की लौ को नया स्वर दिया। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को स्वतंत्रता संघर्ष का हथियार बनाया। सरदार पटेल ने देशी रियासतों के एकीकरण के माध्यम से अखंड भारत की मजबूत नींव रखी।इनके अतिरिक्त हजारों ऐसे स्वतंत्रता सेनानी रहे जिनके नाम इतिहास के बड़े पन्नों में शायद पर्याप्त स्थान नहीं पा सके,लेकिन उनके त्याग के बिना स्वतंत्रता की गाथा अधूरी रहती। आज जब हम तिरंगा फहराते हैं तो उन सभी को स्मरण करना हमारा राष्ट्रीय दायित्व है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने राष्ट्रप्रेम की इसी भावना को जनभागीदारी से जोड़ते हुए वंदे मातरम् के सामूहिक गायन का भी उल्लेख किया। 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं है।स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में इस गीत ने भारतीयों के भीतर राष्ट्रीय चेतना का संचार किया था। इसके स्वर में मातृभूमि के प्रति समर्पण था, स्वाधीनता की आकांक्षा थी और विदेशी शासन के विरुद्ध आत्मविश्वास था।जब आज स्वतंत्र भारत में 'वंदे मातरम्' के स्वर तिरंगे के साथ गूंजते हैं तो वर्तमान और अतीत के बीच एक भावनात्मक सेतु बनता है। एक ओर हमारे सामने

स्वतंत्र भारत की उपलब्धियां होती हैं, दूसरी ओर उन वीरों की स्मृति होती है जिनके कारण यह स्वतंत्रता संभव हुई।इसीलिए तिरंगे के साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं,बल्कि राष्ट्र की सामूहिक स्मृति को जीवित रखने का माध्यम है। 'हर घर तिरंगा' अभियान ने पिछले वर्षों में जिस प्रकार जनभागीदारी हासिल की है,वह भी उल्लेखनीय है।आधिकारिक जानकारी के अनुसार अभियान के दौरान पांच लाख से अधिक युवाओं ने स्वयंसेवक के रूप में पंजीकरण कराया था।बाद में अभियान की व्यापकता और बढ़ी तथा नौ लाख से अधिक स्वयंसेवकों की भागीदारी दर्ज की गई। तिरंगे के साथ करोड़ों सेल्फी अपलोड की गई और देशभर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को अभियान से जोड़ा गया।तिरंगा सेल्फी का विचार देखने में भले ही आधुनिक डिजिटल अभिव्यक्ति लगे, लेकिन इसके पीछे भावना वही पुरानी है-मैं भारतीय हूं और मुझे अपने राष्ट्र पर गर्व है। आज का युवा जिस भाषा में संवाद करता है,उसी भाषा में यदि राष्ट्रप्रेम की अभिव्यक्ति करता है तो उसे भी राष्ट्रीय चेतना की नई अभिव्यक्ति के रूप में देखना चाहिए। कल मंत्री ने तिरंगे के साथ सेल्फी को लेकर भी नागरिकों को प्रोत्साहित करने की बात कही। यह सेल्फी केवल कैमरे में कैद एक तस्वीर नहीं होनी चाहिए। इसके पीछे उस भावना का होना जरूरी है कि तिरंगा मेरे लिए क्या मायने रखता है।यदि एक युवा तिरंगे के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए भगत सिंह,नेताजी,गाँधी, आजाद और उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को याद करता है, तो वह तस्वीर राष्ट्र के इतिहास से उसके जुड़ाव का दस्तावेज बन जाती है।प्रेस वार्त्ता में मंत्री द्वारा सियालदह रेलवे स्टेशन पर विभाजन-विभीषिका की स्मृति को स्थायी रूप से संजोने के लिए स्मारक की बात भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।भारत का विभाजन केवल राजनीतिक सीमाओं के खिंच जाने की घटना नहीं था। वह करोड़ों लोगों के विस्थापन, पीड़ा, बिछड़ने और असहनीय मानवीय त्रासदी का अध्याय था।लाखों परिवारों ने अपने घर छोड़े,अपने प्रियजनों को खोया और अनिश्चित भविष्य की ओर पलायन किया। सियालदह रेलवे स्टेशन जैसे स्थान उस त्रासदी की जीवंत स्मृतियों से जुड़े रहे हैं। विभाजन के बाद पूर्वी बंगाल से आने वाले बड़ी संख्या में विस्थापित लोगों के लिए रेलवे स्टेशन जीवन और संघर्ष के बीच एक महत्वपूर्ण पड़ाव बने।ऐसे स्थान पर विभाजन-विभीषिका की स्मृति को स्मारक के रूप में संरक्षित करने का विचार आने वाली पीढ़ियों को यह समझाने का माध्यम बन सकता है कि इतिहास केवल तारीखों और घटनाओं का संग्रह नहीं होता, बल्कि उसमें मनुष्य की पीड़ा, संघर्ष और पुनर्निर्माण की कहानी भी होती है।स्मारक इतिहास को जिंदा रखते हैं।वे आने वाली पीढ़ियों से कहते हैं कि अतीत को भूलना नहीं चाहिए, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को बेहतर बनाना चाहिए। विभाजन की पीड़ा को स्मरण करना किसी के प्रति वैमनस्य पैदा करना नहीं, बल्कि उन लाखों लोगों के प्रति श्रद्धांजलि है जिन्होंने उस त्रासदी को झेला। तिरंगा और विभाजन-विभीषिका की स्मृति,पहली दृष्टि में दो अलग-अलग विषय लग सकते हैं, लेकिन वास्तव में दोनों भारत की राष्ट्रीय चेतना के दो महत्वपूर्ण पक्ष हैं।एक ओर तिरंगा हमें स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गौरव की याद दिलाता है,दूसरी ओर विभाजन की स्मृति हमें यह चेतावनी देती है कि सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और आपसी विश्वास को कभी कमजोर नहीं होने देना चाहिए। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता है। भाषा अलग हो सकती है,वेशभूषा अलग हो सकती है,खान-पान अलग हो सकता है,पूजा-पद्धतियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन तिरंगा सबको एक सूत्र में बांधता है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक और कच्छ से अरुणाचल तक जब तिरंगा एक साथ लहराता है तो भारत की विराट एकता दिखाई देती है।राष्ट्रप्रेम केवल नारों में नहीं होता। राष्ट्रप्रेम हमारे आचरण में दिखाई देना चाहिए। ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वहन करना राष्ट्रप्रेम है। सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना राष्ट्रप्रेम है।स्वच्छता को अपनाना राष्ट्रप्रेम है।पर्यावरण की रक्षा करना राष्ट्रप्रेम है।समाज में भाईचारा बनाए रखना राष्ट्रप्रेम है। संविधान और कानून का सम्मान करना राष्ट्रप्रेम है।तिरंगे के तीन रंग भी हमें यही संदेश देते हैं। केसरिया त्याग और साहस की प्रेरणा देता है।श्वेत सत्य,शांति और सद्भाव का प्रतीक है।हरा रंग जीवन,समृद्धि और विकास की आशा जगाता है। मध्य में स्थित अशोक चक्र निरंतर गतिशील रहने और आगे बढ़ते रहने का संदेश देता है। इस दृष्टि से 'हर घर तिरंगा' केवल स्वतंत्रता दिवस का आयोजन नहीं है।यह राष्ट्र के प्रति हमारे दायित्वों का स्मरण कराने वाला अभियान है।आजादी के बाद जन्मी पीढ़ी ने गुलामी नहीं देखी।

उसके लिए स्वतंत्रता स्वाभाविक अधिकार है। इसलिए उसे यह बताना और भी आवश्यक है कि स्वतंत्रता कितने संघर्ष और बलिदान के बाद मिली।जब कोई बच्चा अपने घर की छत पर तिरंगा फहराता है, जब वह 'वंदे मातरम्' गाता है, जब वह तिरंगे के साथ सेल्फी लेता है या जब वह किसी स्वतंत्रता सेनानी की कहानी पढ़ता है,तब वह अनजाने में अपने इतिहास से जुड़ रहा होता है।

आज का इतिहास

1831 - नीदरलैंड और बेल्जियम ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे

1833 - अमेरिका में शिकागो शहर की स्थापना हुई थी.

1914 - ब्रिटेन ने ऑस्ट्रिया और हंगरी पर आक्रमण की घोषणा की थी.

1944 - फ्रांसीसी सेनाओं द्वारा नाज़ियों से मुक्त होने के लिए फ़्रांस के पहले शहर जनरल फिलिप लेक्लेर डी हौटक्लोक द्वारा एलेनकॉन को मुक्त किया गया था.

1953 - 7.2 एमएस आयनियन भूकंप दक्षिणी आयनियन द्वीप समूह को अधिकतम (एक्सट्रीम) की अधिकतम मर्कल्ली तीव्रता के साथ हिलाता है। 445 और 800 लोगों के बीच मारे गए थे.

1960 - नाको का पहला सफल संचार उपग्रह इको 1 ए लॉन्च किया गया था.

1964 - देश की जातिवादी नीतियों के कारण दक्षिण अफ्रीका को ओलंपिक खेलों से प्रतिबंधित कर दिया गया था.

1981 - आईबीएम ने पर्सनल कंप्यूटर जारी किया गया था.

1985 - जापान एयरलाइंस फ्लाइट 123 जापान के गुंमा प्रीफेक्चर में ओसुताका रिज में दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है जिसमें 520 की मौत हो गई.

1992 - कनाडा, मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते (एनएएफटीए) के लिए बातचीत पूरी करने की घोषणा की थी.

1994 - मेजर लीग बेसबॉल खिलाड़ी 1994 की विश्व श्रृंखला को रद्द करने के लिए मजबूर हुए थे.

2000 - रूसी नौसेना की पनडुब्बी कुर्स्क एक सैन्य अभ्यास के दौरान बैरेंट्स सागर में विस्फोट और डूब गई और अपने पूरे 118 व्यक्तियों के दल को मार डाला था.

1914 - भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन की माँ तेजी बच्चन का जन्म हुआ था.

1919 - भारतीय भौतिक वैज्ञानिक विक्रम साराभाई का जन्म हुआ था.

1972 - भारतीय क्रिकेटर ज्ञानेंद्र पांडेय का जन्म हुआ था.

1945 - भारत के लिए अपना जीवन समर्पित कर देने वाले अंग्रेज़ व्यक्ति जॉर्ज सिडनी अरुंडेल का निधन हुआ था.

1982 - प्रसिद्ध इतिहासवेत्ता, विचारक और निबंधकार भगवतशरण उपाध्याय का निधन हुआ था.

सावन में जब प्रजा के बीच उतरते हैं राजा महाकाल

पवन वर्मा

आकाशे तारकं लिङ्गं, पाताले हाटकेश्वरम्।
मृत्युलोके महाकालं, लिङ्गत्रयं नमोऽस्तुते॥

राजाधिराज भगवान महाकाल की सवारी न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह उज्जैन की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत का जीवंत प्रमाण है। एक दौर था, जब सिंधिया और होलकर महाराज सवारी में लाव-लश्कर, सेना के साथ सम्मिलित होते थे। सदियों पुरानी यह परंपरा आज भी श्रद्धा और भव्यता से निभाई जा रही है। वर्षों से सवारी के साथ राजा-महाराजा की पोशाक धारण कर सबके आकर्षण का केंद्र बनने वाले स्वामी मुस्कुराके यानी पं. शैलेन्द्र व्यास ने बताया कि इतिहासकारों और प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, ग्यारहवीं शताब्दी की पांडुलिपियों में महाकाल सवारी का उल्लेख मिलता है। सनातन परंपरा में यह मान्यता सदियों से चली आ रही है कि आकाश में तारकेश्वर, पाताल में हाटकेश्वर और मृत्युलोक में महाकाल का वास है। उज्जैन का महाकालेश्वर इसलिए श्रद्धा का केंद्र नहीं बना कि वह बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस धाम की पहचान उस विश्वास से बनी है, जिसके अनुसार महाकाल आज भी उज्जयिनी के राजा हैं। राजसिंहासन बदलते रहे, सल्तनतें आई और चली गई, पर इस नगरी का अधिपति कभी नहीं बदला। सावन का पहला सोमवार आते ही उज्जैन का मिज़ाज बदल जाता है। क्षिप्रा के घाटों पर सुबह की आरती के साथ दिन शुरू होता है। मंदिरों की घंटियां, 'हर-हर महादेव' का उद्घोष, कांवड़ियों की टोलियां और भस्म रमाए साधुओं की टोलियां बता देती हैं कि यह साधारण महीना नहीं है। वर्षा से धुली सड़कें, हवा में घुली मिट्टी की सोंधी खुशबू और हर ओर गूंजता शिव नाम, पूरे शहर को एक अलग ही आभा से भर देते हैं। श्रावण का भगवान शिव से संबंध पुराणों में विस्तार से मिलता है। समुद्र मंथन के समय निकले हलाहल विष को शिव ने अपने कंठ में धारण कर सृष्टि की रक्षा की। विष की तपन शांत करने के लिए देवताओं ने जल अर्पित किया। उसी स्मृति में आज भी सावन भर शिवलिंग पर जलाभिषेक होता है। शिवपुराण की कोटिरुद्र संहिता में महाकाल की कथा आती है। अवंती नगरी पर दूषण नामक असुर का अत्याचार बढ़ा तो भगवान शिव महाकाल रूप में प्रकट हुए। अधर्म का अंत हुआ और भक्तों के आग्रह पर शिव उसी भूमि पर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हो गए। तभी

से उज्जयिनी महाकाल की नगरी कहलाने लगी। उज्जैन में पीढ़ियों से प्रचलित है कि 'राजा महाकाल, बाकी सब उनकी प्रजा।' यही विश्वास महाकाल की सवारी का आधार है। राजा अपनी प्रजा का हाल जानने राजमहल से निकलते है। महाकाल भी सावन में अपने गर्भगृह से निकलकर नगर भ्रमण करते हैं। यही कारण है कि इस यात्रा को लोग शोभायात्रा नहीं, राजाधिराज बाबा महाकाल की सवारी कहते हैं।

सावन के सोमवार की दोपहर चढ़ते-चढ़ते शहर का हर रास्ता महाकाल मंदिर की ओर मुड़ जाता है। सुबह से लोग सवारी मार्ग पर जगह घेर लेते हैं। कोई गांव से ट्रैक्टर भरकर आया है, कोई रात भर ट्रेन का सफर तय करके पहुंचा है। बुजुर्ग अपनी छड़ी के सहारे खड़े हैं। बच्चों को कंधों पर बैठाए पिता बार-बार सड़क की ओर देखते हैं। महिलाएं पूजा की थाली में फूल सजाती हैं। किसी के हाथ में रुद्राक्ष की माला है, किसी के होंठों पर शिव तांडव स्तोत्र फिर वह क्षण आता है, जिसका इंतजार हजारों आंखें कर रही होती हैं। चांदी की पालकी में विराजमान बाबा महाकाल बाहर आते हैं। देखते ही देखते पूरा वातावरण 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से गूंज उठता है। हाथ अपने आप जुड़ जाते हैं। कई आंखें नम हो जाती हैं। अनेक श्रद्धालु भाव-विभोर होकर सिर झुका देते हैं। उस समय किसी को भीड़ दिखाई नहीं देती, सबकी दृष्टि अपने आराध्य पर टिक जाती है। पालकी आगे बढ़ती है और उसके साथ चलता है आस्था का अथाह सागर। सबसे आगे ध्वज, फिर घुड़सवार दल, पारंपरिक बैंड, अखाड़ों के साधु, वैदिक ब्राह्मण, भजन मंडलियां और हजारों श्रद्धालु। ढोल की थाप पर गूंजते 'हर-हर महादेव' के स्वर वातावरण में ऐसा कंपन पैदा करते हैं, जिसे शब्दों में बांधना आसान नहीं। ऐसा लगता है मानो पूरी उज्जयिनी एक साथ शिवमय हो गई हो। सवारी जिस गली से गुजरती है, वह कुछ समय के लिए तीर्थ बन जाती है। छतों से फूल बरसते हैं। कहीं गुलाब की पंखुड़ियां उड़ रही हैं, कहीं गेंदे के फूलों की वर्षा हो रही है। महिलाएं आरती उतारती हैं। छोटे-छोटे बच्चे हाथ जोड़कर खड़े रहते हैं। दुकानों के बाहर रंगोली बनी है। व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के सामने दीप जलाकर राजा का स्वागत करते हैं। जिन घरों के सामने से सवारी निकलती है, वहां उस दिन उत्सव का वातावरण रहता है। महाकाल की सवारी का एक दृश्य हर बार लोगों को रोमांचित कर देता है। पालकी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, भीड़ भी उसके साथ बहने लगती है। कोई नंगे पैर चल रहा है, कोई '? नमः शिवाय' का जाप कर रहा है। कोई बार-बार सिर झुकाकर प्रणाम करता है। कई श्रद्धालु तो वर्षों से एक ही स्थान पर खड़े होकर बाबा के दर्शन करते हैं। उनका कहना होता है कि 'राजा हमारे द्वार आए हैं, इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा। 'उज्जैन की यह परंपरा धर्म के साथ-साथ संस्कृति की भी पहचान है। मालवा के लोकवाद्य, अखाड़ों की परंपरा, संतों की उपस्थिति, वैदिक मंत्र, लोकभजन और जनभागीदारी । सब मिलकर ऐसी तस्वीर बनाते हैं, जो भारत की सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा है। यही कारण है कि सावन के हर सोमवार को देश के अलग-अलग राज्यों से हजारों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं। विदेशों से आने वाले पर्यटक भी इस शाही सवारी को देखकर भारतीय आस्था की विराटता का अनुभव करते हैं।

शाम ढलने लगती है। सवारी अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ती है। घंटों से खड़े लोग थके जरूर होते हैं, मगर उनके चेहरे पर संतोष साफ दिखाई देता है। उन्हें लगता है कि आज महाकाल ने उन्हें देखा है, उनकी प्रार्थना सुनी है। यही भाव हर वर्ष उन्हें फिर उज्जैन खींच लाता है।

सावन बीत जाता है, बारिश का मौसम भी बदल जाता है, मगर महाकाल की सवारी की स्मृतियां लोगों के मन में पूरे वर्ष जीवित रहती हैं। उज्जैन की पहचान महाकाल मंदिर से है, मगर उसकी आत्मा उस दिन दिखाई देती है, जब राजाधिराज अपने गर्भगृह से निकलकर अपनी प्रजा के बीच आते हैं।

राजा भोज ने बनाया राजकीय उत्सव

परमार वंश के महान शासक राजा भोज ने इस परंपरा को एक राजकीय उत्सव का रूप दिया था। उन्होंने सवारी में नटों, लोक कलाकारों, संगीतकारों और विभिन्न लोक परंपराओं को सम्मिलित किया। राजा भोज स्वयं भी पालकी के आगे अपने लाव-लश्कर के साथ चलकर भगवान महाकाल को राजकीय सम्मान प्रदान करते थे।

राणौजी स्वयं भी सवारी में शामिल होते थे

उन्होंने इसमें नए रथों, गजराजों और सजीव लोक परंपराओं को जोड़ा, जिससे यह आयोजन और अधिक भव्य बन गया। राणौजी स्वयं भी सवारी में शामिल होते थे और पालकी के आगे चलकर भगवान महाकाल को राजाधिराज का दर्जा देते थे। इसके बाद स्वतंत्रता पूर्व काल तक सिंधिया और होलकर राजवंशों के प्रमुख महाकाल की सवारी में राजकीय रूप से सम्मिलित होते रहे। वे पालकी के आगे चलकर यह संकेत देते थे कि राज्य का वास्तविक शासक स्वयं महाकालेश्वर ही हैं।

शिव की शक्ति का अनुग्रह कराती है बाबा महाकाल की सवारी

महाकाल की सवारी एक भव्य जुलूस है, जो भगवान महाकालेश्वर को समर्पित है। यह जुलूस हर साल श्रावण मास के भाद्रपद शुक्ल पक्ष में निकाला जाता है। इस सवारी का आयोजन श्रावण भादौ माह के अवसर पर उज्जैन के महाकाल मंदिर में होता है। यह भारतीय संस्कृति और धार्मिक आध्यात्मिकत

ा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इस सवारी में महाकाल की मूर्ति को पारंपरिक तरीके से सवारी में निकाला जाता है, जिसमें विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक धाराओं को सम्मिलित किया जाता है। महाकाल की सवारी का आयोजन बड़ी धूमधाम से होता है और यह लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। यह सवारी ध्यान और आध्यात्मिकता के माहौल में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है और लोगों को शिव की शक्ति और अनुग्रह का अनुभव कराती है।यही वह परंपरा है जिसने सदियों से आस्था को जीवित रखा है और यही वह दृश्य है, जिसे देखने के बाद हर श्रद्धालु के मुख से सहज ही निकल पड़ता है * 'जय श्री महाकाल'

आज का राशिफल

मेष- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष- जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क- किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह- भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या- शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला- जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवासए मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक- स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु- बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-5-6-8

कुंभ- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शु भांक-6-8-9

मीन- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

दिल्ली विधानसभा में निकली 'तिरंगा यात्रा', रेखा गुप्ता और स्पीकर विजेंद्र ने किया नेतृत्व

नई दिल्ली। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत स्वतंत्रता उत्सव के हिस्से के रूप में मंगलवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधायकों के साथ 'तिरंगा यात्रा' निकाली।

तिरंगा लहराते और देशभक्ति के नारे लगाते हुए मार्च में शामिल लोग विधानसभा के प्रांगण में घूमे और स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों पर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी।

स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी की मूर्ति से शुरू होकर बीआर अंबेडकर की मूर्ति पर समाप्त होने वाली यह यात्रा राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के प्रति सम्मान का प्रतीक थी। उन्होंने कहा, ₹तिरंगा सिर्फ हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं है बल्कि यह हमारे लोकतंत्र की जीवंत धड़कन है और हर भारतीय को हमारे संविधान के आदर्शों से जोड़ने वाला पवित्र धागा है।₹

स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 'राष्ट्रपिता' (महात्मा गांधी) की मूर्ति से भारतीय संविधान के मुख्य निमार्ता (बीआर अंबेडकर) की मूर्ति तक मार्च करने का प्रतीकात्मक महत्व यह है कि विधानसभा परिसर के भीतर का यह रास्ता भारत की स्वतंत्रता से संवैधानिक शासन तक की यात्रा को दशार्ता है और उन मूल्यों को मजबूत करता है जो राज्य की लोकतांत्रिक संस्थाओं का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में लोकतंत्र के मंदिर के रूप में, विधानसभा पर सभी नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को बढ़ावा देने की गंभीर जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि तिरंगा सिर्फ राष्ट्रीय ध्वज नहीं है, बल्कि हमारी सभ्यता के गौरव का प्रतीक, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की तपस्या और बलिदान की याद और 140 करोड़ भारतीयों की एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह हमें उन अनगिनत नायकों के बलिदान की याद दिलाता है जिनके संघर्ष और समर्पण ने देश को आजादी दिलाई। स्वतंत्रता के इस भव्य त्योहार पर, न केवल तिरंगा फहराना जरूरी है, बल्कि अपने शहर और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का संकल्प लेना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, ₹जिस तरह हमारे देश के लोगों ने आजादी पाने के लिए एकजुट होकर लड़ाई लड़ी, उसी तरह अब हर नागरिक को दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने में उसी भावना के साथ योगदान देना चाहिए।₹

देश-दुनिया के पर्यटक दिल्ली में रुकें, इसकी विविधता को जानें और इसकी आध्यात्मिक विरासत से जुड़ें

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को अक्षरधाम मंदिर में आयोजित 'स्पिरिचुअल एंड हेरिटेज टूरिज्म कॉन्क्लेव-2026' में भागीदारी की। 'दिल्लीः द कैपिटल ऑफ स्पिरिचुअलिटी, हेरिटेज एंड एक्सपीरियंसेज' थीम पर आयोजित सम्मेलन का उद्देश्य दिल्ली की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को एकीकृत टूरिज्म एक्सपीरियंस के रूप में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करना और राजधानी को 'ट्रांजिट सिटी' से 'डेस्टिनेशन सिटी' के रूप में विकसित करना है।

इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली के चार स्पिरिचुअल और हेरिटेज टूरिज्म सर्किट्स का शुभारंभ किया। आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इन चार सर्किट्स के जरिए दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में स्थित धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों को एक यात्रा अनुभव के रूप में जोड़ा गया है। सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली आने वाले पर्यटक केवल कुछ प्रमुख स्मारकों को देखकर वापस न लौटें, बल्कि राजधानी की विविध आस्था, इतिहास, वास्तुकला, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को करीब से अनुभव करें और यहां अधिक समय बिताएं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को केवल कुछ प्रसिद्ध स्मारकों तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह भारत की विविध संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतिबिंब है। इंद्रप्रस्थ से लेकर विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों तक दिल्ली ने भारत के इतिहास को अपने भीतर संजोया है और राजधानी का प्रत्येक क्षेत्र अपने भीतर कोई न कोई कहानी, परंपरा और विरासत समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की पहचान केवल लाल किला, पुराना किला और हुमायूं के मकबरे जैसे ऐतिहासिक स्मारकों तक सीमित नहीं है। यहां अक्षरधाम जैसे विश्वस्तरीय आध्यात्मिक एवं वास्तुशिल्प स्थल हैं, वहीं मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्चों, मस्जिदों, बौद्ध और जैन धार्मिक स्थलों की समृद्ध परंपरा भी मौजूद है। दिल्ली की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी विविधता में एकता है। द

दिल्ली में बढ़े स्वाइन फ्लू के मामले, स्वास्थ्य मंत्री बोले-हालात से निपटने की पूरी तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली में एच1एन1 इन्फ्लूएंजा (स्वाइन फ्लू) के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। इस साल अब तक 1344 मामले सामने आए हैं, जबकि पिछले साल इस अवधि में 229 मामले ही सामने आए थे। इस मामले को लेकर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि सरकार इससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि मरीज आ रहे हैं और डॉक्टर उनका ठीक से इलाज कर रहे हैं। अस्पतालों में दवाइयों, बेड और वेंटिलेटर की व्यवस्था कर दी गई है।

हेल्थकेयर इक्विपमेंट से जुड़े दिल्ली हाई कोर्ट के पहले के फैसले पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि मैं इस मामले का स्वतः संज्ञान लेने के लिए माननीय कोर्ट का धन्यवाद करना चाहता हूं। पिछली सरकार ने कुछ हेल्थकेयर मशीनें खरीदी थीं, जबकि उन्हें चलाने के लिए न तो कोई स्पेशलिस्ट थे और न ही उन्हें इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ था।

उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के लोगों के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक स्थिति है। जब से हमारी सरकार सत्ता में आई है, हमने स्टाफ की कमी को दूर किया है और यह पक्का किया है कि जो भी इक्विपमेंट और संसाधन पीछे छूट गए थे और जिनका इस्तेमाल जनता के फायदे के लिए किया जा सकता था, उनकी सही ढंग से इस्तेमाल

हो, जरूरत पड़ने पर उनकी मरम्मत हो और उन्हें काम में लाया जाए। उन्होंने कहा कि 11 साल की समस्या को दूर करने में थोड़ा वक्त तो लगेगा ही। हमने बेड की संख्या बढ़ाई है, वेंटिलेटर का इस्तेमाल किया है। दिल्ली का स्वास्थ्य विभाग लोगों के लिए ठीक तरह से काम कर रहा है। इससे पहले पंकज सिंह ने कहा कि विभाग मई के बाद से इस मामले को लेकर सक्रिय हो जाता है। अगर किसी मरीज में लक्षण पाए जाते हैं, तो उनके इलाज और अस्पताल में भर्ती करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी जाती है।

कार शराब की 25 पेटी ले जा रहे दो तस्करों को पुलिस ने पकड़ा

साहिबाबाद। कार में शराब की 25 पेटी छिपाकर ले जा रहे दो तस्करों को टीला मोड़ थाना पुलिस ने सोमवार रात भोपुरा रोड से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार और 25 पेटी शराब को जब्त कर लिया है। एसीपी शालीमार अतुल कुमार ने बताया कि पुलिस टीम लोनी-भोपुरा रोड पर गश्त कर रही थी। उसी दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार में शराब छिपाकर ले जाने वालों को पकड़ा है। दोनों तस्करों ने पूछताछ में अपने नाम दिल्ली के अशोकनगर निवासी सुनील और न्यू सीमापुरी निवासी शोएब बताए हैं। कार की तलाशी लेने पर पिछली सीट और डिग्गी से हरियाणा मार्का शराब की पेटियां मिलीं।

दुकान मालिकों पर दर्ज हुई रिपोर्ट, प्रशासन ने बैठाई जांच

लोनी। बॉर्डर थानाक्षेत्र के गुलाब वाटिका कॉलोनी स्थित दो मंजिला हार्डवेयर की दुकान की छत गिरने से श्रमिक की मौत के मामले में दुकानदार भाईयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए प्रशासन के सहयोग से दुकान को भी बंद करा दिया है। अब जीडीए और पीडब्ल्यूडी की टीमें दुकान का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपेगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मूलरूप से बाराबंकी थाना कोठी बलनीपुरे निवासी सुशील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके भाई मुकेश (20) लोनी की गुलाब वाटिका कॉलोनी में किराए पर रहते थे। वह दिल्ली शाहदरा निवासी कुणाल जैन और अभिषेक जैन की सैनेट्री व हार्डवेयर की दुकान पर नौकरी करते थे। सुशील ने आरोप लगाया कि दुकान की छत मानकहीन और जर्जर हालत में थी। उनके भाई मुकेश ने एक अगस्त को दुकान मालिक को छत का लोहे का गर्डर खिसकने की सूचना भी दी थी, लेकिन दुकान मालिक ने मुकेश को डांट दिया था। इसके बाद दोनों भाईयों ने दुकान की जर्जर हालत में छत होने के बावजूद तीसरी मंजिल पर निर्माण कार्य को जारी रखा। यह बात खुद मुकेश ने फोन पर उन्हें बताई थी। मंगलवार को राजमिस्त्री अजीत दूसरी मंजिल पर कमरे में प्लास्टर कर रहे थे और अचानक वही छत भरभराकर नीचे वाली छत पर आ गिरी। इससे पहली और भूतल की छत के नीचे अजीत, मुकेश और जतिन मलबे में दब गए। लोगों ने किसी तरह अजीत और जतिन को तो मलबे से बाहर निकाल लिया, लेकिन मुकेश को चार घंटे बाद ही निकाला जा सका।

खोड़ा की पांच मंजिला इमारत के मीटर पैनल में आग लगी, बड़ा हादसा बचा

खोड़ा। नवनीत विहार स्थित पांच मंजिला अपार्टमेंट में बड़ा हादसा बच होते-होते बच गया। इमारत के मीटर पैनल में मंगलवार को शॉर्ट सर्किट से आग लग गई और समय रहते काबू पा लिय गया। इमारत में मंगलवार सुबह करीब छह बजे बिजली मीटर पैनल से अचानक आग की लपटें उठ रही थीं। निवासी सलमान ने बताया कि आग लगने के बाद लोगों ने तत्काल ऊर्जा निगम को सूचना देकर बिजली बंद कराई और आसपास के लोगों ने पानी और अग्निशमन उपकरणों की मदद से बुझाया गया। वहीं, महिला व बच्चों को छत पर भेजकर सुरक्षित किया गया। समय रहते लोगों के एकजुट होने बड़ा हादसा बच गया। स्थानीय सभासद प्रिया गुप्ता ने इमारत के निर्माण और बिजली कनेक्शन को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि इमारत अवैध रूप से बनी है। इतने कनेक्शन एक साथ देने के बजाय उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर आपूर्ति की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि विद्युत पैनल में आग लगी थी और दमकल टीम के पहुंचने से पहले ही इसे बुझा दिया गया था।

टीएचए में पांच घंटे गुल रही बिजली, 1912 पर भी नहीं हो रहा समाधान

साहिबाबाद। टीएचए क्षेत्र के कई इलाकों में मंगलवार सुबह बारिश की वजह से बिजली कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया। न्याय खंड एक, राजेंद्र नगर, तुलसी निकेतन और भोपुरा में अलग-अलग समय पर करीब चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में सुबह से ही कटौती का सिलसिला जारी रहा और करीब पांच घंटे तक आपूर्ति प्रभावित रही। लगातार बिजली जाने से लोगों को गर्मी और उमस के बीच परेशानी उठानी पड़ी। लोगों ने 1912 कर ऊर्जा निगम के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। जल्द आपूर्ति सामान्य होने का आश्वासन देते रहे। राजेंद्र नगर सेक्टर-तीन व सात में फॉल्ट की वजह से बिजली गुल हो गई। दोपहर एक बजे के करीब आपूर्ति सामान्य हुई। न्याय खंड एक और तुलसी निकेतन में अलग-अलग समय पर बिजली जाने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई। सोमवार रात करीब नौ बजे से 12 बजे तक बिजली गुल रही।

7.60 करोड़ की ठगी के आरोप में दिल्ली का कारोबारी गिरफ्तार

इंदिरापुरम। थाना पुलिस ने वित्तीय धोखाधड़ी के बडे.मामले में पुलिस ने सोमवार रात दिल्ली के कारोबारी विमल जैन को गिरफ्तार किया है। उस पर एक नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से 7.60 करोड़ रुपये का लोन लेकर गबन का आरोप है। आरोपी ने लोन तो लिया, लेकिन किस्तें नहीं चुकाईं और फर्जी बिल भी कंपनी को भेजे गए।

एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि एलिगेंस कैपिटल सर्विसेस के निदेशक आयुष गोयल ने इंदिरापुरम थाने में शिकायत दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पीतमपुरा मौर्य एन्क्लेव निवासी विमल जैन ने उनकी कंपनी से 7.60 करोड़ रुपये का लोन लिया था, लेकिन किस्तों का भुगतान नहीं किया। जांच में पता चला कि विमल जैन ने फर्जी टैक्स इन्वॉइस बनाए थे। उसने अपनी कंपनी के नाम पर फर्जी डायमंड बेचने के बिल काटे थे। विमल जैन ने दावा किया कि उसने 7.60 करोड़ रुपये के कच्चे हीरे की आपूर्ति की है और लोन की राशि इन हीरे के बदले समायोजित कर ली गई है। कंपनी की जांच में

ये बिल फर्जी पाए गए।

धोखाधड़ी का तरीका

विमल जैन ने एलिगेंस कैपिटल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड को कच्चे हीरे भेजने का दावा किया। उसने साथ में कंपनी का टैक्स इन्वॉइस भी भेजा था। आरोपी ने कहा कि उसने इन हीरों के बदले 7.60 करोड़ रुपये का कर्ज चुका दिया है। उसने यह भी दावा किया कि अब कोई बकाया राशि नहीं बची है। पुलिस पूछताछ में विमल जैन ने बताया कि उसने प्रॉपर्टी के बदले एक बैंक से भी लगभग नौ करोड़ रुपये का लोन लिया था। उसे चुकाने के लिए आयुष की कंपनी से लोन लिया था। इसके बाद आयुष की कंपनी से एक कानूनी नोटिस भेजा गया था। फिर 26 जून को रिपोर्ट दर्ज की गई।

ईडी की जांच और संपत्ति अटैचमेंट

पुलिस ने बताया कि विमल जैन के खिलाफ ईओडब्ल्यू (इकोनॉमिक ऑफेंस विंग) में भी धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। उसने अपने भाई नरेश जैन के साथ मिलकर फर्जी कंपनियां बनाकर बी पार्टी से लेन-देन कर करोड़ों की कर चोरी की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी इसकी जांच कर रहा था और वर्ष 2020 में ईडी ने उसे गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोपी की सभी प्रॉपर्टी भी अटैच कर रखी है।

भ्रम में न पड़ें, घर के कनेक्शन पर खुद का वाहन कर सकते हैं चार्ज

गाजियाबाद। ईवी को खुद के बिजली कनेक्शन से चार्ज करना अनुचित नहीं है। ऊर्जा निगम के अफसरों ने इसको लेकर स्थिति स्पष्ट की है। हालांकि, वाहन का उपयोग व्यावसायिक गतिविधि के लिए नहीं होना चाहिए। न ही दूसरों के वाहन को उपभोक्ता चार्ज करा सकता है। जिले में 70 हजार से ज्यादा ईवी पंजीकृत और करीब 35 हजार गैर-पंजीकृत हैं। इन वाहनों को चार्ज करने के लिए वाहन स्वामियों के पास अब तक कोई गाइडलाइन नहीं थी। यह लोग अपने घरेलू कनेक्शन से इनको चार्ज कर रहे हैं, लेकिन कई लोग इसमें आपत्ति दर्ज करा रहे हैं। अफसरों से इसकी शिकायत की जा रही है। कई लोग आरोप लगा रहे कि बाहर से चार्ज करना महंगा है। इसके चार्ज अलग हैं, घरेलू कनेक्शन से चार्ज करने पर ऊर्जा निगम को राजस्व की हानि हो रही है। ऊर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि खुद के वाहन को घर के कनेक्शन से चार्ज करना अनुचित नहीं है लेकिन इसका व्यावसायिक उपयोग पूरी तरह गलत है। यानी उपभोक्ता का वाहन अपना होना चाहिए और उस वाहन को व्यावसायिक उपयोग में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा घरेलू कनेक्शन पर दूसरे लोगों के वाहन चार्ज कराकर उनसे पैसा वसूलने में भी कार्रवाई होगी। इसके लिए उपभोक्ता की बिजली खपत के रिकॉर्ड का अध्ययन कर छापा भी मारा जा सकता है। हालांकि, घरेलू कनेक्शन पर ईवी को चार्ज करने के लिए जरूरत के हिसाब से लोड स्वीकृत कराने और चार्जिंग पॉइंट की वायरिंग भी नियमानुसार कराने की अपील की जा रही है। विदित हो कि ऊर्जा निगम के अफसरों को बीते करीब एक माह में 300 से अधिक शिकायतें मिल चुकी हैं। इसमें लोग आरोप लगा रहे हैं कि कुछ लोग घर के कनेक्शन से अपने वाहन को चार्ज कर रहे हैं। वहीं, 100 से अधिक लोग अफसरों से इसकी जानकारी करने पहुंच रहे हैं कि वह अपने घरेलू कनेक्शन से अपना वाहन चार्ज कर सकते हैं या नहीं। जिले में 400 से अधिक चार्जिंग पॉइंट बनाए गए हैं। इनसे ऊर्जा निगम 5.90 रुपये प्रति यूनिट से लेकर 7.70 रुपये प्रति यूनिट तक वसूली जाती है। चार्जिंग स्टेशन संचालक वाहन स्वामियों से इसके दोगुने तक चार्ज वसूल रहे हैं। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि नए चार्जिंग स्टेशन के लिए नए आवेदन भी मिले हुए हैं। इनकी जांच की जा रही है। जल्द ही चार्जिंग स्टेशन की संख्या बढ़ जाएगी।

विधानसभा का पहला दिन आपसी लड़ाई में बर्बाद, जरूरी मुद्दों पर नहीं हुई चर्चाः देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने विधानसभा सत्र को लेकर सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधा और साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा का पहला दिन आपसी लड़ाई में बर्बाद हो गया और राजधानी के अहम मुद्दों पर चर्चा नहीं हो रही है। देवेंद्र यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ₹इस विधानसभा सत्र में कई जरूरी मुद्दों पर काम होना था। मुझे लगता है कि पहला दिन तो उनकी आपसी लड़ाई में ही बर्बाद हो गया। मुझे दूसरे और

तीसरे दिन से भी ज्यादा उम्मीद नहीं है। उन्होंने हाल ही में राजधानी में छात्रों के हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि उस मुद्दे पर विधानसभा में कोई चर्चा ही नहीं हुई। उन्होंने कहा, ₹राजधानी में कुछ दिन पहले छात्रों का जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हुआ था। उस मुद्दे पर इस विधानसभा में चर्चा होनी चाहिए थी। इस बात पर चर्चा होनी चाहिए थी कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है और ये हालात किसने पैदा किए। देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार की 2500 रुपए की योजना को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ₹महिलाएं बार-बार इस मुद्दे को उठा रही हैं और इसके लिए फॉर्म भी भरे जा रहे हैं। मुझे याद है कि दिल्ली चुनावों के दौरान भाजपा ने वादा किया था कि हर महिला के खाते में पहले रक्षाबंधन पर ही 2500 रुपए जमा कर दिए जाएंगे। एक साल बीत चुका है, फॉर्म भरे जा रहे हैं और कमेटियां बनाई जा रही हैं लेकिन फॉर्म भरने के साथ-साथ यह बात भी सामने आई है कि जिस तरह से यह स्कीम पेश की गई है, उससे दिल्ली की महिलाओं को शायद वे फायदे न मिल पाएं जो उन्हें मिलने चाहिए थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि वादे के मुताबिक समय पर राशि नहीं दी गई और अब प्रक्रिया को इतना जटिल बना दिया गया है कि हकीकत में लाभार्थियों को परेशानी हो रही है। वहीं दूसरी ओर देवेंद्र यादव ने पार्टी के पूर्व अध्यक्षों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि कुछ समय से हमने प्रदेश कांग्रेस कमेटी में अपने पूर्व अध्यक्षों को उनकी पुण्यतिथि और जयंती पर श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम शुरू किया है। मंगलवार को चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी की पुण्यतिथि और चौधरी दीप चंद बंधु की जयंती मनाई गई। इस मौके पर सभी कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट हुए और दोनों नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ऑपरेशन विस्टा : दिल्ली पुलिस ने सात बांग्लादेशी नागरिकों को किया गिरफ्तार, वीजा शर्तों के उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली। इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन करने वाले विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में दिल्ली पुलिस के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने 'ऑपरेशन विस्टा 1.0' (वीजा स्टेटस वेरिफिकेशन) को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस ऑपरेशन के तहत, वीजा की शर्तों का उल्लंघन करने और तय समय से ज्यादा समय तक भारत में रहने के आरोप में सात बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया।

यह ऑपरेशन राष्ट्रीय राजधानी में वीजा नियमों का उल्लंघन करके या तय समय से ज्यादा रुककर गैर-कानूनी रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान करने के लिए चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा था। इस खास वेरिफिकेशन अभियान के दौरान, पुलिस टीमों ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में होटलों, गेस्ट हाउस और विदेशी नागरिकों को ठहराने वाली दूसरी जगहों पर बड़े पैमाने पर जांच की।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यह ऑपरेशन तब तेज हुआ जब नबी करीम इलाके में गश्त कर रही पुलिस टीम को एक भरोसेमंद सूत्र से पक्की जानकारी मिली कि बांग्लादेश के कई नागरिक, जिनके वीजा की मियाद खत्म हो चुकी थी, वहां गैर-कानूनी रूप से रह रहे थे। जानकारी मिलने पर पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसकी पहचान बांग्लादेश के नोआखाली जिले के रहने वाले एमडी नजरुल इस्लाम फोसल के तौर पर हुई। पूछताछ के दौरान, फोसल ने बताया कि वह बांग्लादेशी नागरिक है और नबी करीम इलाके में रह रहा था। उसने अपना बांग्लादेशी पासपोर्ट दिखाया, जिसकी मौके पर ही जांच की गई। पुलिस को पता चला कि उसका पासपोर्ट 8 फरवरी को जारी हुआ था और भारत में उसके रहने की मंजूरी सिर्फ 7 अगस्त तक ही थी।

अराजकता, झूठ और पाखंड के प्रतीक हैं राहुल गांधी : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्यमंत्री और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें अराजकता और झूठ का पोस्टर बॉय बताया और संसद में चचाओं से भागने की उनकी प्रवृत्ति पर सवाल उठाया।

हर्ष मल्होत्रा ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में राहुल गांधी के दोहरे चरित्र और अराजक स्वभाव पर हमला बोला, जिसे उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थित झारखंड सरकार द्वारा छात्रों के साथ किए गए अमानवीय व्यवहार से उजागर हुआ है।

उन्होंने कहा, मैं इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राहुल गांधी और पूरे विपक्ष को चुनौती देता हूं। संसद में आइए और देश से जुड़े हर मुद्दे पर चर्चा कीजिए, चाहे वह छात्र आंदोलन हो या कोई अन्य मामला। चर्चा से भागिए मत और संसद को बाधित मत कीजिए।

उन्होंने कहा कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राहुल गांधी का पदार्फाश होगा, जिन्होंने पहले छात्र आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश की और अब संसद को हाईजैक करने की कोशिश कर रहे हैं। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि देश देख रहा है कि कैसे राहुल गांधी ने दिल्ली के

जंतर-मंतर से युवाओं को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश की। इसके कुछ ही दिनों के बाद सोमवार को कांग्रेस समर्थित झारखंड सरकार द्वारा छात्र आंदोलन के हिंसक दमन ने उनके पाखंड को उजागर कर दिया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी आज अराजकता, झूठ और पाखंड के पोस्टर बॉय₹ बन गए हैं। कुछ दिन पहले दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शन के दौरान कुछ आपराधिक और राष्ट्रविरोधी तत्वों ने आंदोलन में घुसपैठ करने और हिंसा फैलाने का प्रयास किया और संसद में प्रवेश करने की भी कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी स्वयं प्रधानमंत्री आवास के बाहर बैठकर छात्र आंदोलन के दमन के बारे में झूठे दावे और गलत सूचनाएं फैलाने लगे, जिनमें उन पर पैलेट फायरिंग के आरोप भी शामिल थे। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में विशेषकर सोमवार को झारखंड में जो कुछ हुआ, उसने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का काला चेहरा उजागर कर दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को आगे आकर देश को बताना चाहिए कि वे कांग्रेस समर्थित हेमंत सोरेन सरकार को कब गिराएंगे अन्यथा देश यह निष्कर्ष निकालेगा कि झारखंड में छात्रों का दमन कांग्रेस की सहमति से हुआ था। संसद मुद्दों पर चर्चा करने का संवैधानिक मंच है। उन्होंने कहा, जो लोग अपनी जेब में संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं, वे न केवल संसद में चचाओं से भागकर संविधान की अवहेलना कर रहे हैं बल्कि संसद को हाईजैक करने का प्रयास भी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन पकड़ने के लिए जल्दी पहुंचें नई दिल्ली स्टेशन, एंट्री गेट्स पर चेकिंग के चलते छूट सकती है गाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की जा रही है। लाल किला सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। रेलवे स्टेशनों पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। यात्रियों व उनके सामान की गहन जांच की जा रही है इसमें अधिक समय लग रहा है। इस कारण यात्रियों कुछ अतिरिक्त समय लेकर स्टेशन पर पहुंचने की सलाह दी जा रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और गहन जांच होगी। उत्तर रेलवे ने एक्स पर पोस्ट कर भी कहा है कि 13 से 16 अगस्त तक जांच बढ़ाई जाएगी। इस कारण यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने के लिए प्रवेश द्वार अधिक समय लग सकता है। इसे ध्यान में यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए अतिरिक्त समय लेकर स्टेशन पर पहुंचना चाहिए जिससे कि जांच के बाद वह ट्रेन के प्रस्थान समय से पहले प्लेटफार्म पर पहुंच सके। रेलवे ने यात्रियों से सुरक्षा जांच में सहयोग करने की अपील की है। रेलवे स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म व ट्रेन में अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की गई है। पूरे स्टेशन परिसर और ट्रेन में जांच अभियान चलाया जा रहा है। मेट्रो स्टेशनों पर भी सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई है। इससे यात्रियों को प्रवेश द्वार पर अधिक समय लग रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने भी यात्रियों से अधिक समय लेकर मेट्रो स्टेशन पर पहुंचने की सलाह दी है।

डीयू परिसर में बेतरतीब पार्किंग पर सख्ती, एंबुलेंस-दमकल के रास्ते में खड़े किए वाहन तो होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू परिसर में बेतरतीब और अवैध पार्किंग अब सिर्फ यातायात जाम की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह आपातकालीन सेवाओं के लिए भी बड़ा खतरा बनती जा रही है। सड़कों के दोनों ओर वाहनों के खड़े होने से रास्ते संकरे होने और एंबुलेंस व दमकल वाहनों के आवागमन में बाधा की आशंका को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। प्राक्टर कार्यालय ने सोमवार को एडवाइजरी जारी कर छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और आगंतुकों को निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन के अनुसार, कैंपस में छात्र मार्ग, जीसी नारंग मार्ग, सुधीर बोस मार्ग, गुरु तेग बहादुर रोड, श्रेया मिश्रा मार्ग और यूनिवर्सिटी रोड समेत कई प्रमुख सड़कों पर दोनों तरफ वाहन खड़े किए जा रहे हैं। इसके अलावा ग्वियर हाल कैंटीन के आसपास भी पार्किंग के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। व्यस्त समय में इन मार्गों पर वाहनों की आवाजाही धीमी होने से छात्रों और कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्राक्टर कार्यालय ने एडवाइजरी में विशेष रूप से चेताया है कि किसी दुर्घटना, आग लगने या अन्य आपात स्थिति में सड़क पर खड़े वाहन राहत और बचाव दल के लिए रास्ता रोक सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में पतंगबाजी का खतरा, जानलेवा मांझे पर बिजली कंपनियां अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस नजदीक आते ही राजधानी पतंगबाजी शुरू हो गई है। कई लोग प्रतिबंध के बावजूद पतंग उड़ाने के लिए धातु लेपित मांझे का उपयोग करते हैं। इसकी चपेट में आकर लोगों के घायल होने की घटनाएं सामने आ चुकी है। पिछले वर्षों में कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। इस तरह के मांझे से बिजली के उपकरण व तार को भी नुकसान पहुंचता है। इससे दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) सहित बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) की चिंता बढ़ गई है। डीटीएल के साथ ही बीएसईएस और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के अधिकारियों ने लोगों से बिजली के खंभों, तार, ट्रांसफार्मर और अन्य उपकरणों के आसपास पतंग नहीं उड़ाने और जानलेवा मांझे के उपयोग से परहेज करने की अपील की है। डीटीएल अधिकारियों ने कहा कि धातु लेपित मांझा बिजली के तारों के संपर्क में आने से बिजली ट्रांसमिशन व वितरण दोनों बाधित होती है। करंट लगने का खतरा भी बना रहता है। डिस्काम अधिकारियों ने कहा, 11 केवी की एक लाइन ट्रिप होने से 25 सौ से अधिक और 66/33 केवी की एक लाइन ट्रिप होती है तो इससे 10 हजार से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति बाधित होती है। बिजली आपूर्ति में बाधा डालना अपराध है और कानून के तहत कार्रवाई हो सकती है। पतंगबाजी से बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने पर उसे ठीक करने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इंटरनेट मीडिया व अन्य साधनों से उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है।

9 फॉल्ट मैसेज और डोप टेस्ट... फुकेट-दिल्ली फ्लाइट हादसे में बड़ा ट्विस्ट, जांच में फ्रांस और एयरबस की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ 2379 में चार अगस्त को हुई गंभीर घटना की जांच अब और व्यापक हो गई है। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआइबी) की जांच में फ्रांस की विमान दुर्घटना जांच एजेंसी ब्यूरो आफ इंक्वायरी एंड एनालिसिस (बीईए) भी शामिल हो गई है। इसके साथ ही विमान निर्माता कंपनी एयरबस के विशेषज्ञ भी जांच टीम को तकनीकी सहायता दे रहे हैं। एयरबस ने अपनी विशेषज्ञ टीम भेजी है, जो जांच अधिकारियों और एयरलाइन को आवश्यक तकनीकी सहयोग उपलब्ध करा रही है। इस घटना में विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था, जिसके कारण कई यात्री अपनी सीटों से उछलकर घायल हो गए। कुल 17 यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे की सटीक वजह अभी जांच का विषय है। शुरुआती तौर पर इसे टर्बुलेंस से जोड़कर देखा गया था, लेकिन अब तकनीकी खराबी से जुड़े पहलुओं की भी गहनता से जांच की जा रही है।

एक मिनट में आए नौ फाल्ट मैसेज : सूत्रों के अनुसार, विमान की आटोमेटेड पोस्ट-फ्लाइट मेंटेनेंस रिपोर्ट में उड़ान के करीब ढाई घंटे बाद हाइड्रोलिक और फ्लाइट-कंट्रोल सिस्टम से जुड़े कई फाल्ट मैसेज दर्ज हुए। बताया जा रहा है कि करीब एक मिनट के भीतर तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम से जुड़े अलग-अलग और संयुक्त रूप से नौ फाल्ट मैसेज सामने आए। एयरबस ए320 नियो में लाल, नीले और हरे रंग से पहचाने जाने वाले तीन स्वतंत्र हाइड्रोलिक सिस्टम होते हैं। ये विमान के ब्रेक, एलेवेटर और नोज-व्हील समेत कई महत्वपूर्ण नियंत्रणों को संचालित करने में मदद करते हैं। तीनों प्रणालियों से एक साथ जुड़ी गड़बड़ी की आशंका को जांच में महत्वपूर्ण तकनीकी पहलू माना जा रहा है।

ऑटोपायलट डिस्कनेक्ट होने और विमान के नीचे आने की भी जांच : सूत्रों के मुताबिक, तकनीकी गड़बड़ियों के बाद आटोपायलट डिस्कनेक्ट हुआ और विमान की नोज ऊपर उठने लगी। इसके बाद स्टाल वार्निंग सक्रिय होने की बात सामने आई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पायलटों ने मैनुअल कंट्रोल संभाला और विमान की नोज नीचे करने का प्रयास किया। इसी दौरान विमान तेजी से करीब 300 फीट नीचे आया। अचानक ऊंचाई कम होने से यात्रियों को जोरदार झटका लगा और कुछ यात्री सीटों से उछलकर घायल हो गए।

टर्बुलेंस के दावे से आगे बढ़ी जांच : घटना के शुरुआती दौर में इसे टर्बुलेंस से जोड़कर देखा गया था। हालांकि, बाद में सामने आई तकनीकी जानकारियों के बाद जांच का दायरा बढ़ गया है। एएआइबी इस बात की जांच कर रहा है कि उड़ान के दौरान विमान के सिस्टम में वास्तव में क्या गड़बड़ी हुई और उसका विमान के नियंत्रण पर कितना असर पड़ा। एयरबस विशेषज्ञों के जांच में शामिल होने से विमान के सिस्टम, मेंटेनेंस रिकॉर्ड और तकनीकी डेटा के विश्लेषण में भी मदद मिलने की उम्मीद है। अंतिम निष्कर्ष एएआइबी की विस्तृत जांच रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा।

पायलट की मेडिकल फिटनेस और डोप टेस्ट भी जांच के दायरे में : घटना के बाद कुछ यात्रियों की ओर से पायलट की सतर्कता और नशे की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। हालांकि, इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है और पायलट के डोप टेस्ट के अंतिम नतीजे सामने आना बाकी हैं। जांच एजेंसी तकनीकी पहलुओं के साथ काकपिट क्रू के सेफ्टी प्रोटोकाल, मेडिकल फिटनेस और निर्धारित अल्कोहल/डोप टेस्ट से जुड़े रिकॉर्ड की भी समीक्षा कर सकती है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि घटना के समय क्रू निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर रहा था या नहीं। डीजीसीए ने फ्लाइट क्रू, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और मेंटेनेंस स्टाफ के लिए रैंडम डोप टेस्ट की व्यवस्था लागू की है। इसके अलावा फ्लाइट क्रू के लिए प्री-फ्लाइट ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट भी अनिवार्य है। ऐसे में जांच में इनसे जुड़े रिकॉर्ड भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

अंतिम रिपोर्ट से ही साफ होगी हादसे की असली वजह : एआइ 2379 की घटना में फिलहाल तकनीकी खराबी, टर्बुलेंस और क्रू से जुड़े सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। फ्रांस की जांच एजेंसी और एयरबस विशेषज्ञों के शामिल होने से तकनीकी जांच को और मजबूती मिलेगी। हालांकि, विमान में आखिर किस वजह से अचानक ऊंचाई में इतनी तेजी से गिरावट आई और यात्रियों को चोटें लगीं, इसका अंतिम जवाब एएआइबी की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

कार चोरी की एफआईआर कराकर बीमा क्लेम मांगा, जांच में खुली दिल्ली के शख्स की पोल; हापुड़ से मिली स्वीफ्ट डिजायर

नई दिल्ली, एजेंसी। मालवीय नगर थाना क्षेत्र में बीमा क्लेम के लिए कार चोरी की फर्जी एफआइआर दर्ज कराने का मामला सामने आया है। चिराग दिल्ली के रहने वाले आरोपित ने अपनी स्विफ्ट डिजायर कार (डीएल 1 जेडए 2608) को हापुड़ में एक रिश्तेदार के यहां छिपा दी। फिर मालवीय नगर थाने में कार चोरी की एफआइआर दर्ज कराई और बीमा कंपनी में कार चोरी के क्लेम के लिए आवेदन कर दिया। कंपनी को शक होने पर अलग से जांच कराई तो चोरी का मामला ही फर्जी निकला। क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर टीम ने हापुड़ से कार को बरामद की।

आरोपित ने नंबर प्लेट हटा रखी थी। वहीं जीपीएस ट्रैकिंग से बचने के लिए एंटीना और बैटरी भी निकाली थी। टीम ने इंजन व चेसिस नंबर से कार की पहचान की। आरोपित के खिलाफ मालवीय नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

क्या है पूरा मामला : शिकायत के मुताबिक आरोपित अमित कुमार ने 16 मई को अपनी सिल्वर कलर की कार चोरी होने सूचना थाने में दी। प्राथमिक पड़ताल करके कुल 38 दिन बाद यानी 22 जून को पुलिस ने एफआइआर दर्ज की।

अमित कुमार ने इस एफआइआर के माध्यम से श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी में चोरी का बीमा क्लेम किया। कंपनी के थेफ्ट क्लेम विभाग के असिस्टेंट मैनेजर वरुण सक्सेना ने जांच शुरू की तो घटना संदिग्ध लगी। उनकी टीम को वाहन हापुड़ के आयद नगर गांव में छिपाकर रखे जाने की जानकारी मिली। टीम ने दक्षिणी दिल्ली क्राइम ब्रांच की मदद ली और छह अगस्त को आयद नगर पहुंची। गांव में आरोपित के एक रिश्तेदार के घर की पार्किंग में उक्त स्विफ्ट कार को बरामद किया, जो तिरपाल से ढंकी थी। बीमा कंपनी के अधिकृत वेंडर ने इंजन व चेसिस नंबर का सत्यापन कर वाहन की पहचान की। कार बरामद होने के बाद आरोपित अमित कुमार के खिलाफ बीमा कंपनी की ओर से मालवीय नगर थाने में शिकायत दी गई है। हालांकि पुलिस ने आरोपों की जांच के बाद एफआइआर दर्ज करने की बात कही है।

डिवाइस को नहीं मिल पाती बिजली : जीपीएस ट्रैकर से बचाने के लिए किसी वाहन या उपकरण से बैटरी और एंटीना हटाना सामान्य तरीका है। इससे डिवाइस को बिजली नहीं मिलती और सिग्नल भी सेटेलाइट तक नहीं पहुंच पाता है। वाहन चोर लोकेशन छिपाने और ट्रैक होने से बच निकलने के लिए इन तरीकों को इस्तेमाल करते हैं।

दिल्ली के वजीराबाद रोड पर जर्जर सड़क और गड्ढों से बढ़ रहा हादसों का खतरा, कारोबार भी हो रहा प्रभावित

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना विहार से भजनपुरा तक वजीराबाद रोड की सर्विस रोड से लेकर मुख्य मार्ग तक सड़क की हालत जर्जर बनी हुई है। कई जगह सड़क की परत उखड़ चुकी है और गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे हादसों का खतरा बना हुआ है। वहीं, सीवर लाइन समेत अन्य कार्यों के लिए की गई खोदाई के बाद कई हिस्सों को ठीक से समतल नहीं किया गया है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीक आवर में वाहनों की रफ्तार धीमी होने से जाम की स्थिति बन जाती है। लोगों का कहना है कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस सड़क के गड्ढे नहीं दिखाई देते। भजनपुरा निवासी ममता पांडेय ने बताया कि मुख्य मार्ग के साथ-साथ सर्विस रोड की भी लंबे समय से मरम्मत नहीं हुई है। कई स्थानों पर सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए बार-बार लेन बदलनी पड़ती है। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और जाम की स्थिति पैदा होती है। स्थानीय निवासी अनिल ने बताया कि सड़क की स्थायी मरम्मत कराने के बजाय अलग-अलग हिस्सों में बार-बार खोदाई की जा रही है। इससे समस्या कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। लोगों ने सर्विस रोड और मुख्य मार्ग दोनों की जल्द मरम्मत कराने तथा खोदाई के बाद सड़क को ठीक तरीके से बहाल करने की मांग की है।

जर्जर सड़क और जाम से कारोबार भी प्रभावित : वजीराबाद रोड की बदहाल स्थिति का असर आसपास के बाजारों के कारोबारियों पर भी पड़ रहा है। स्थानीय दुकानदार विवेक कुमार ने बताया कि सड़क खराब होने और लगातार लगने वाले जाम के कारण ग्राहक बाजार तक आने से बच रहे हैं। दुकानदारों का दावा है कि पिछले तीन माह से ग्राहकों की संख्या में लगातार कमी आई है।व्यस्त समय में वाहनों की लंबी कतार लगने से दुकानों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। कई बार ग्राहक रास्ते में जाम देखकर दूसरे बाजारों का रुख कर लेते हैं। मामले में उत्तर-पूर्वी जिला विकास समिति के चेयरमैन जितेंद्र महाजन का कहना है।

दिल्ली में मानसून की 'सरप्लस' मेहरबानी, सामान्य से 27% ज्यादा बारिश से बना रिकॉर्ड; आगे कैसा रहेगा मौसम?

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मानसून इस बार अब तक सामान्य से अधिक सक्रिय दर्ज किया गया है। 1 जून से 9 अगस्त के बीच दिल्ली में 393.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो इस अवधि की सामान्य 309.5 मिलीमीटर बारिश से 27 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही दिल्ली के किसी भी जिले में अब बारिश की कमी नहीं है। चार जिले सामान्य से अधिक बारिश की श्रेणी में पहुंच गए हैं। मानसून के रिकॉर्ड के बीच मंगलवार की सुबह एनसीआर में बदली छाने के साथ हुई। हालांकि, उमस ने थोड़ा परेशान कर रखा है। दिल्ली में अगस्त की पूरी सामान्य बारिश 233.1 मिलीमीटर मानी जाती है। यह आंकड़ा भी 10 अगस्त को पार हो गया। सफदरजंग स्थित मौसम विभाग के आधार स्टेशन पर सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच 4 मिलीमीटर

बारिश दर्ज की गई। इसके बाद अगस्त में अब तक कुल 234.5 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। इस साल मानसून की शुरुआत में दिल्ली बारिश की कमी वाले क्षेत्र में थी। जून में बारिश सामान्य से कम रही, जबकि जुलाई में स्थिति सामान्य हो गई। अगस्त के शुरुआती दिनों में लगातार पांच दिन हुई तेज बारिश ने दिल्ली को अतिरिक्त बारिश वाले क्षेत्र में पहुंचा दिया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के जिलों में मध्य दिल्ली में सबसे अधिक बारिश हुई है। यहां 1 जून से 9 अगस्त के बीच 528.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 381.2 मिलीमीटर से 39 प्रतिशत अधिक है।

पश्चिमी दिल्ली में 434.3 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य 342.7 मिलीमीटर के मुकाबले 27 प्रतिशत अधिक है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली में भी क्रमशः 26 और 23 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। पांच जिले सामान्य बारिश की श्रेणी में हैं। इनमें दक्षिण दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली, उत्तर-पूर्व दिल्ली और उत्तर-पश्चिम दिल्ली शामिल हैं। नई दिल्ली में सामान्य से 7 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। वहीं, प्रेस में जाने तक उत्तर दिल्ली का आंकड़ा उपलब्ध नहीं था। आईएमडी के मुताबिक, बारिश को सामान्य से 19 प्रतिशत तक कम या अधिक होने पर सामान्य श्रेणी में रखा जाता है। 20 से 59 प्रतिशत अधिक बारिश को अतिरिक्त और 60 प्रतिशत या उससे अधिक बारिश को अत्यधिक अतिरिक्त माना जाता है।

वहीं, सामान्य से 19 प्रतिशत से अधिक कमी होने पर इसे कमी वाली श्रेणी में रखा जाता है। इस मानसून सीजन में दिल्ली में अब तक तीन दिन भारी बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी के अनुसार 24 घंटे में 65.5 मिलीमीटर या उससे अधिक बारिश होने पर उसे भारी बारिश माना जाता है। दिल्ली में 9 जुलाई, 29 जुलाई और 8 अगस्त को ऐसी बारिश हुई। 8 अगस्त सीजन का सबसे भारी बारिश वाला दिन रहा, जब दिल्ली के कई इलाकों में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। इससे पहले 9 जुलाई को सीजन की पहली व्यापक और तेज बारिश हुई थी।

पढ़ने में कमजोर बच्चों के लिए दिल्ली के स्कूलों में नई पहल, अब रोज 30 मिनट लगेगी रेडिंग पीरियड

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सरकारी स्कूलों में छठवीं, सातवीं और आठवीं तक पहुंचने के बाद भी कुछ बच्चे सामान्य पाठ पढ़ने में सक्षम नहीं हैं। स्कूल प्रधानाचार्यों के अनुसार, ऐसे बच्चों के लिए पढ़ना सीखना अब किसी अतिरिक्त कौशल का विषय नहीं, बल्कि उनकी आगे की पढ़ाई के लिए जरूरी बुनियादी क्षमता है।

इसी सीखने के अंतर को दूर करने के लिए शिक्षा निदेशालय ने अब स्कूलों में हर दिन 30 मिनट का रीडिंग पीरियड (पठन कक्षा) अनिवार्य किया है। अब तक कमजोर बच्चों की रीडिंग क्षमता सुधारने के लिए मिशन बुनियाद और निपुण जैसी

पहलों के तहत विशेष रूप से गर्मी की छुट्टियों में गतिविधियां कराई जाती रही हैं। इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों पर ध्यान दिया जाता था, जो अपनी कक्षा के अपेक्षित स्तर के अनुसार पढ़ नहीं पा रहे थे। लेकिन स्कूल स्तर पर ऐसा कोई स्थायी और सभी बच्चों के लिए अनिवार्य रीडिंग स्लाट नहीं था, जिसे पूरे शैक्षणिक सत्र में नियमित रूप से चलाया जाए। कमजोर बच्चे ही नहीं, अब सभी पढ़ेंगे नई व्यवस्था में रीडिंग को सिर्फ कमजोर विद्यार्थियों के लिए सुधारात्मक गतिविधि रखने के बजाय पूरे स्कूल की नियमित शैक्षणिक गतिविधि बनाया गया है। यानी कक्षा में बच्चा पढ़ने में कमजोर हो या अच्छा, सभी विद्यार्थियों को रोजाना 30 मिनट पढ़ने का अवसर मिलेगा। इस दौरान मौन पठन, किताबों पर चर्चा और अन्य पठन गतिविधियां कराई जाएंगी। स्कूलों को रोजाना 10-15 मिनट का ड्राप एवरीथिंग एंड रीड सत्र कराने के लिए भी कहा गया है। इसके अलावा वर्षभर साप्ताहिक लाइब्रेरी पीरियड, जोर से पढ़कर सुनाने के सेशन, किताबों पर चर्चा, रीडिंग वाल, किताबों की समीक्षा, अखबार पढ़ना और समूह चर्चा जैसी गतिविधियां होंगी। गर्मी की छुट्टियों की कवायद से आगे बढ़ी पहल स्कूलों में पहले भी लाइब्रेरी और रीडिंग से जुड़ी गतिविधियां होती रही हैं। वहीं, मिशन बुनियाद और निपुण के तहत सीखने का स्तर से पीछे चल रहे बच्चों के लिए विशेष हस्तक्षेप भी किए जाते रहे हैं। लेकिन प्रधानाचार्यों के अनुभव के मुताबिक चुनौती यह है कि कुछ बच्चे माध्यमिक कक्षाओं तक पहुंचने के बाद भी धाराप्रवाह पढ़ नहीं पाते। ऐसे में केवल छुट्टियों में या किसी विशेष अभियान के दौरान रीडिंग कराने के बजाय इसे दैनिक स्कूल रूटीन का हिस्सा बनाने की जरूरत महसूस की गई।

राहुल गांधी अब क्यों भाग रहे हैं': किरेन रिजिजू बोले- अब संसद में अमित शाह का सामना करें नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि अब जब गृह मंत्री अमित शाह उनके द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब देने के लिए तैयार हैं तो राहुल गांधी को संसद से नहीं भागना चाहिए।

किरेन रिजिजू की ये टिप्पणी हालिया छात्र प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर हुए हंगामे के बीच आई है। इस मुद्दे पर संसद के मानसून सत्र में जमकर हंगामा हुआ और विपक्ष ने सरकार को इस मुद्दे पर घेरा हुआ है। विपक्ष इस पर गृह मंत्री अमित शाह की प्रतिक्रिया चाहता है और गृह मंत्री के संसद सत्र में शामिल नहीं होने पर सवाल उठा रहा है। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'राहुल गांधी कई दिनों से अमित शाह से जवाब मांग रहे थे। अब जब गृह मंत्री हर मुद्दे का विस्तार से जवाब देने के लिए तैयार हैं तो उन्हें भागना नहीं चाहिए।'

राहुल गांधी ने अमित शाह को लेकर कही थी ये बात : इससे पहले सोमवार को राहुल गांधी ने कहा था कि विपक्ष अमित शाह की राय सुनने में दिलचस्पी नहीं रखता है और वह सिर्फ यह जानना चाहता है कि पुलिस की जंतर-मंतर पर कार्रवाई के पीछे कौन था। राहुल गांधी ने कहा, 'अमित शाह में संसद में आकर हमारे सामने खड़े होने का साहस नहीं है। पिछले 15 दिनों में उन्होंने यही दिखाया है। न तो नरेंद्र मोदी और न ही अमित शाह में हिम्मत है...किसी को उनकी राय में दिलचस्पी नहीं है। हम बस ये जानना चाहते हैं कि गोली चलाने का आदेश किसने दिया और अगर उन्होंने नहीं दिया तो गृह मंत्रालय में किसने दिया? हम समझना चाहते हैं कि क्या इसमें किसी की गलती है या अक्षमता?'

सरकार संसद में चर्चा के लिए तैयार : सोमवार को ही सरकार ने साफ कर दिया कि वे संसद में छात्र विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। विपक्ष की मांग को स्वीकार करते हुए सरकार ने इस पर सहमति दे दी है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में मौजूद रहकर विपक्ष के सवालों के जवाब देंगे। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष को सदन की कार्यवाही के दौरान हंगामा नहीं करना चाहिए।

अगले 5 दिन यूपी से राजस्थान तक खूब होगी बारिश, एपमी में घरों में घुसा पानी; महाराष्ट्र के लिए यलो अलर्ट जारी

जयपुर, लखनऊ, मुंबई, एजेंसी। भारत में मानसून की सक्रियता का एक और दौर देखने को मिल सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई हिस्सों में व्यापक बारिश का अनुमान लगाया है। मानसूनी सीजन के चलते देश में कई जगहों पर बाढ़ तो कहीं बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं और इनका पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है। कई जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है तो कई जगहों पर तेज बारिश का यलो अलर्ट है।

मध्य प्रदेश में भी बढ़ा जैसे हालात बन गए हैं। नदियां उफान पर रहीं और कई रास्ते बंद हो गए। राजधानी भोपाल सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, यहां एक हजार से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित कई इलाकों में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। यहां 11 अगस्त और आने वाले दिनों के लिए भारत का मौसम का ताजा पूर्वानुमान दिया गया है।

आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका : आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी, पूर्वोत्तर और पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही कई राज्यों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है।

यूपी में नदियों में समाए घर : पहाड़ों पर हो रही जबरदस्त बारिश की वजह से उत्तर प्रदेश में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद और बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है। 40 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं, फर्रुखाबाद में 25 घर गंगा नदी में समा गए। 11 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में हफ्ते के आखिर में बड़े पैमाने पर बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 14 और 15 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13 से 15 अगस्त के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। 11 अगस्त को पूर्वी

उत्तर प्रदेश में भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है और आने वाले दिनों में भी ऐसी गतिविधियां हो सकती हैं।

राजस्थान में अलर्ट : राजस्थान के 6 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 17 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। हड़ौती क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 12 इंच तक बारिश हुई। राजस्थान उन इलाकों में शामिल है जहां बहुत तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है और 11 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में भी 12 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि 11 अगस्त को कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। 10 से 12 अगस्त के दौरान इस पूरे इलाके में अच्छी-खासी बारिश होने की उम्मीद है। 11 और 12 अगस्त को पश्चिमी राजस्थान में भी भारी बारिश हो सकती है। साथ ही कुछ इलाकों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर का मौसम : 11 अगस्त को दिल्ली और हरियाणा में काफी बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है और 13 अगस्त को भी बारिश का एक और दौर आ सकता है। मौसम विभाग ने 11 अगस्त और फिर 13 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में कहीं-कहीं भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मानसून के एक्टिव दौर में राजधानी में आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की भी संभावना है। लोगों को अचानक तेज बारिश, जल-जमाव और ट्रैफिक में रुकावट को लेकर सतर्क रहना चाहिए। खासकर जब बारिश बहुत तेज हो। पश्चिमी हिमालयी इलाके में पूरे हफ्ते मौसम के नमी वाला रहने की उम्मीद है। 11 अगस्त से 16 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में काफी ज्यादा या हर जगह बारिश होने की संभावना है।

विद्युत प्रणाली की सुरक्षा, विश्वसनीयता एवं तकनीकी दक्षता बढ़ाने पर दिया गया जोर

एमपी ट्रांसको नागदा में पावर ट्रांसफार्मर एवं ट्रांसमिशन लाइन प्रोटेक्शन पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

इन्दौर (निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 400 केवी टेस्टिंग डिवीजन,नागदा में पावर ट्रांसफार्मर प्रोटेक्शन,ट्रांसमिशन लाइन प्रोटेक्शन,बसबार प्रोटेक्शन,अंडर फ्रीक्वेंसी प्रोटेक्शन तथा लोड ड्रॉपिंग स्कीम सहित विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी विषयों पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्युत पारेषण प्रणाली में कार्यरत तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दक्षता में वृद्धि करते हुए विद्युत तंत्र की सुरक्षा, विश्वसनीयता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करना रहा।

कार्यशाला में 400 केवी टेस्टिंग सर्किल ,नागदा के अधीक्षण अभियंता श्री शेखर फटाले,कार्यपालन अभियंता श्री दिनेश चन्द्र आर्य एवं श्री दिनेश शर्मा,सहायक अभियंता श्री रामशरण यादव,श्री विक्रम डेहरिया,श्री यशवंत राय एवं श्री सुनील धुर्वे सहित समस्त कनिष्ठ अभियंता उपस्थित थे।

पावर ट्रांसफार्मर प्रोटेक्शन की दी गई विस्तृत जानकारी : प्रशिक्षण सत्र में अधीक्षण अभियंता श्री शेखर फटाले एवं सहायक अभियंता (परीक्षण) श्री रामशरण यादव ने सबस्टेशनों में स्थापित पावर ट्रांसफार्मरों की आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा प्रणालियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान डिफरेंशियल

रिले, डिस्टेंस प्रोटेक्शन रिले, बैकअप प्रोटेक्शन रिले, बसबार प्रोटेक्शन स्कीम तथा लोकल ब्रेकर बैकअप (एलबीबी) स्कीम की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न प्रोटेक्शन प्रणालियों के प्रभावी उपयोग, फॉल्ट की स्थिति में त्वरित कार्रवाई तथा विद्युत उपकरणों को संभावित क्षति से बचाने के लिए अपनाई जाने वाली तकनीकी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

विद्युत प्रणाली की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता पर जोर : कार्यशाला में अंडर फ्रीक्वेंसी प्रोटेक्शन एवं लोड ड्रॉपिंग स्कीम की कार्यप्रणाली पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विद्युत प्रणाली में आवृत्ति के संतुलन को बनाए रखने तथा आपात परिस्थितियों में विद्युत तंत्र की स्थिरता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में इन प्रणालियों की महत्वपूर्ण भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।

एनआईएफपीएस प्रणाली की संरचना एवं उपयोगिता समझाई : प्रशिक्षण के दौरान पावर ट्रांसफार्मरों में प्रयुक्त नाइट्रोजन इंजेक्शन फायर प्रोटेक्शन सिस्टम (एनआईएफपीएस) की संरचना, संचालन एवं उपयोगिता के संबंध में भी जानकारी दी गई। ट्रांसफार्मर में आग लगने जैसी आपात स्थिति में इस प्रणाली की भूमिका तथा विद्युत परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक तकनीकी उपायों पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा की गई। कार्यशाला में तकनीकी विषयों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच विचार-विमर्श भी हुआ। इस दौरान विद्युत पारेषण तंत्र के सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन के लिए प्रोटेक्शन प्रणालियों की नियमित जांच, तकनीकी दक्षता तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

हरियाली महोत्सव के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी ने किया वृहद वृक्षारोपण

धार (निप्र)। रेडक्रॉस सोसायटी मध्यप्रदेश राज्य शाखा के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री राजीव रंजन मीना के मार्गदर्शन में हरियाली महोत्सव के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी इकाई, धार द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम शासकीय माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, नौगांव थाने के पास, इंदौर-अहमदाबाद रोड, धार में रविवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में धार एसडीएम श्री राजकुमार हलधर, रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. रमाकांत मुकुट, जिला प्रतिनिधि श्री विशाल निगम, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य श्री छोटू शास्त्री, श्री अंतरसिंह यादव, श्री शैलेन्द्र तिवारी, श्री धीरज चौहान, श्री राजेश डाबी, जिला आयुष अधिकारी डॉ. रमेश मुवेल, विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रवीण कुमार जैन, हॉस्टल अधीक्षिका श्रीमती अनामिका कोचले सहित शिक्षकगण एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं बालिकाओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही लगाए गए पौधों की वर्षभर देखरेख करने तथा उन्हें संरक्षित कर हराभरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ ही विद्यार्थियों एवं समाज में पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान में शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण प्राथमिकता से करें- मुख्य सचिव

नीमच(निप्र)। मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए हैं कि अभियान के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों और समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम एवं सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों के निराकरण को अभियान में सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने बिगड़े ट्रांसफार्मर, बिगड़े हैंडपंप, 108 एंबुलेंस सेवा तथा विद्यालयों से ड्रॉपआउट बच्चों से संबंधित शिकायतों का भी प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने को कहा है।उन्होंने कहा कि शासन की सेवाओं, योजनाओं और संस्थाओं का लाभ आमजन तक सहजता से पहुंचना चाहिए। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा लगभग 50 बिंदु निर्धारित किए गए हैं। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्धारित बिंदुओं के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण करें और उन्हें शासन की सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ समय पर दिलाएं।

आशाग्राम में श्रावण मास में दिखा धर्म और राष्ट्र प्रेम का अद्भुत संगम

बडवानी (निप्र)। धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो प्राणियों में सद्भावना हो विश्व का कल्याण हो इस पवित्र भावना में निहित आशा आश्रय गृह आशाग्राम ट्रस्ट के उपचारित मनोरोगियों की भावपूर्ण समावेशी कावड़ यात्रा आज आशाग्राम ट्रस्ट परिसर में धूमधाम से निकली। यह यात्रा धर्म और राष्ट्र प्रेम का अद्भुत संगम दिखाई दी जिसमें एक और उपचारित मनोरोगियों के द्वारा श्रावण मास में मृत्युंजय महादेव का मां नर्मदा के पावन जल से कावड़ यात्रा के माध्यम से अभिषेक कर आराधना की गई,वही आज से प्रारंभ हो रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिले की सर्वप्रथम तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्र प्रेम का संदेश दिया ।आशा आश्रय घर से निकली यह समावेशी कावड़ यात्रा कुष्ठ पुनर्वास केंद्र होते हुए गांधी चौक से मृत्युंजय मंदिर आशाग्राम पहुंची जहां पर ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाड़िया एवं ट्रस्टी डॉ भूपेंद्र भार्गव,श्री अशोक दोषी एवं श्री के एस मकवाना श्री प्रेमचंद जी चोपड़ा श्री लोकेश पहाड़िया श्री सतीश परिहार के द्वारा मनोरोगियों के साथ भगवान मृत्युंजय का पूजन अर्चन किया ।आशाग्राम ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाड़िया ने बताया आशा आश्रय गृह वासियों को स्वावलंबन के साथ-साथ समावेशी गतिविधियों से भी जोड़ते हैं जिससे वह समाज के अभिन्न अंग के रूप में अपनी स्वीकार्यता सुनिश्चित कर सके तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें यही हमारा उद्देश्य रहता है।कावड़ यात्रा एवं तिरंगा यात्रा में एक और जहां दिव्यांग बंधु सहभागी बने वही मातृशक्ति ने भी आमजन के साथ बड़ी संख्या में भागीदारी की ।आश्रय गृह में कावड़ यात्रा का संयोजन एवं प्रसादी बनाने का कार्य श्रीमती साधना भावसार एवं श्री समाधान पाटिल के द्वारा किया गया।इस दौरान ट्रस्ट के श्री सचिन दुबे श्री मुकेश पाटीदार एमपीईबी श्री रमेश यादव एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा सप्ताह का शुभारंभ

आलीराजपुर। 'हर घर तिरंगा सप्ताह' के प्रथम दिन रविवार को प्रातः 9 बजे खेल परिसर से तिरंगा रैली का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर की अध्यक्षता में किया गया।रैली के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रभक्ति एवं तिरंगे के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत झाबुआ में निकली वृहद तिरंगा यात्रा

झाबुआ (निप्र)। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिले में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ द्वारा रविवार को वृहद तिरंगा यात्रा निकाली गई। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री महेश मंडलोई एवं डिप्टी कलेक्टर श्री सुनील डावर के निर्देशन में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री जय बैरागी तथा पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ की प्राचार्य श्रीमती सीमा त्रिवेदी के समन्वय से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के शुभारंभ से पूर्व विद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में छात्राएं एकत्रित हुई। राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के पश्चात मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेंद्र सिंह चौहान ने हरी झंडी दिखाकर तिरंगा यात्रा को नगर भ्रमण के लिए रवाना किया। तिरंगा यात्रा विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर नेहरू मार्ग से राजवाड़ा चौक पहुंची तथा वहां से पुनः विद्यालय परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान छात्राओं के हाथों में लहराता तिरंगा और देशभक्ति के नारों से पूरा मार्ग राष्ट्रप्रेम के रंग में रंगा नजर आया। छात्राओं में तिरंगा यात्रा को लेकर विशेष उत्साह एवं ऊर्जा दिखाई दी। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे बड़ी संख्या में छात्राओं की सहभागिता ने नगर में देशभक्ति का मनोहारी दृश्य प्रस्तुत किया। तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन में विद्यालय की श्रीमती मीनाक्षी सोनी, श्रीमती श्रद्धा परसाई, पीटीआई श्री नरेश पुरोहित, श्रीमती निर्मला झरबड़े, श्री राज सोनी, श्री आनंद राठी, श्रीमती रजनी मोहनिया, श्रीमती श्यामा बबेरिया, श्री गुमान सिंह वास्कले एवं श्री जतिन राठौर सहित विद्यालय परिवार का सहयोग रहा।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई में 08 खाद्य नमूने लिए, 46.08 लीटर घी जब्त

झाबुआ (निप्र)। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश के आदेशानुसार तथा कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा रविवार को पेटलावद एवं बामनिया क्षेत्र में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान मांडोत किराना बामनिया, गिरधारीलाल शंकरलाल, रतनलाल मूलचंद, आदिनाथ ट्रेडर्स एवं नवकार ट्रेडर्स पेटलावद सहित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं मानकों की जांच के लिए कुल 08 खाद्य नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान पेटलावद स्थित आदिनाथ ट्रेडर्स से धौलपुर फ्रेश घी की 46.08 लीटर मात्रा

जब्त की गई, जिसका बाजार मूल्य लगभग ?33 हजार 520 है। खाद्य प्रतिष्ठानों से लिए गए सभी नमूनों को जांच एवं परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा द्वारा की गई। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक अनुरूप खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

घी की गुणवत्ता जांच के लिए खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई, 2.32 लाख का घी जप्त

नीमच(निप्र)। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश भोपाल तथा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार एवं खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा शनिवार को वीर पार्क रोड स्थित अग्रवाल संस घी डीलर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में मानव उपभोग के लिए विक्रय हेतु श्रीमूल ब्रांड के विभिन्न पैकिंग में शुद्ध घी एवं गाय का घी भंडारित पाया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं मानक स्तर की जांच के लिए टीम द्वारा श्रीमूल ब्रांड के घी के कुल 8 नमूने लिए गए।लिए गए नमूनों में श्रीमूल गाय का घी एवं शुद्ध घी की 1 लीटर, 500 एमएल, 200 एमएल तथा 15 किलोग्राम टीन पैकिंग सहित 5 किलोग्राम पैकिंग के नमूने शामिल हैं। नमूना कार्रवाई के उपरांत शेष घी को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत अधिग्रहित कर जप्त किया गया।

इंदौर ने फिर रचा इतिहास : रेवती रेंज पर 13 लाख 10 हजार 12 पेड़ों की गिनती कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

इन्दौर (निप्र)। इंदौर ने एक बार फिर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। रविवार, 9 अगस्त को रेवती रेंज में लगाए गए पौधों की गणना के बाद 'एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' ने रेवती रेंज पर वर्तमान में 13 लाख 10 हजार 12 वृक्ष होने की घोषणा की। एक ही स्थान पर लाखों पौधे लगाकर उनका दो वर्षों तक संरक्षण करते हुए उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने का यह विश्व कीर्तिमान है। वर्ष 2024 में मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में इंदौरवासियों ने रेवती रेंज पर एक दिन में 12 लाख 41 हजार से अधिक पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। पौधारोपण के बाद पौधों के संरक्षण और देखरेख के लिए रेवती रेंज में नर्सरी भी विकसित की गई, ताकि किसी पौधे के नष्ट होने की स्थिति में उसके स्थान पर

तत्काल नया पौधा लगाया जा सके। वर्ष 2025 में भी इंदौरवासियों द्वारा रेवती रेंज पर एक लाख पौधों का रोपण किया गया।

दो वर्ष तक पौधों के संरक्षण की हुई सूक्ष्म जांच : इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री अंतिम जैन ने कहा कि एक ही स्थान पर एक साथ लाखों पौधे लगाना और दो वर्षों तक उनका संरक्षण कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करना अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह कार्य मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर निगम तथा इंदौरवासियों के सामूहिक प्रयास से संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्व कीर्तिमान के लिए विशेष रूप से यह सूक्ष्मता से जांच की गई कि वर्ष 2024 में रेवती रेंज पर रोपे गए पौधों में से कितने पौधे सुरक्षित एवं जीवित हैं। गणना और सत्यापन की प्रक्रिया के बाद रेवती रेंज पर 13 लाख 10 हजार 12 वृक्ष होने की पुष्टि की गई।

इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि 9 अगस्त का दिन भारत के स्वतंत्रता संग्राम में विशेष महत्व रखता है। इसी दिन भारत छोड़ो आंदोलन का आगाज हुआ था। उन्होंने इस अवसर पर सभी क्रांतिकारियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि पेड़ साक्षात शिव के समान हैं। वे विष रूपी कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन रूपी अमृत प्रदान करते हैं। इसलिए जब हम एक पेड़ लगाते हैं, तो मानो एक शिव मंदिर का निर्माण करते हैं।

न्याय व्यवस्था में करुणा, पुनर्वास और गरिमा को केंद्र में रखने का आह्वान

इन्दौर (निप्र)। इंदौर में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का दूसरा एवं अंतिम दिवस बाल-मित्रवत न्याय, बच्चों के संरक्षण एवं पुनर्वास तथा कारागार से परे न्याय, पुनर्वास और समाज में पुनर्समावेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहा। सम्मेलन के दौरान न्याय व्यवस्था को अधिक मानवीय, समावेशी और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। सरे दिन के द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता माननीय श्री न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने की। सत्र का विषय था, जिसमें बंदियों, रिहा किए गए बंदियों तथा उनके परिवारों के लिए विधिक सहायता, पुनर्वास, पुनर्समावेशन और सामाजिक सहयोग को प्रभावी बनाने पर विचार किया गया।

कारागार के द्वार पर न्याय समाप्त नहीं होना चाहिए : माननीय श्री न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने अपने संबोधन एवं सत्र की चर्चाओं के दौरान स्पष्ट किया कि अभिरक्षा में रह रहे व्यक्ति के लिए न्याय तक पहुंच केवल लंबित प्रकरण में विधिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं हो सकती। न्होंने विधिक जागरूकता, समयबद्ध विधिक उपचार, विधिक सहायता, परिवार के सहयोग, पुनर्वास तथा समाज में सम्मानजनक पुनर्समावेशन को न्याय के व्यापक स्वरूप का आवश्यक हिस्सा बताया। ननीय श्री न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने इस दृष्टिकोण पर विशेष जोर दिया कि कारागार की दीवारों के पीछे मौजूद व्यक्ति को केवल बंदी के रूप में नहीं, बल्कि एक मनुष्य के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुसार बंदियों की गरिमा एवं अधिकारों की रक्षा, निरंतर विधिक सहायता तथा उनके परिवारों की चिंताओं का समाधान एक मानवीय और प्रभावी न्याय व्यवस्था के अनिवार्य घटक हैं।

पुनर्वास ही न्याय की निरंतर प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा : सत्र में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि न्याय की प्रक्रिया कारावास के साथ समाप्त नहीं होती। परिवार का सहयोग, शिक्षा, कौशल विकास, आजीविका के अवसर, समुदाय की भागीदारी और मानसिक कल्याण ऐसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जिनके द्वारा रिहा किए गए बंदियों को सम्मानपूर्वक अपना जीवन पुनर्निर्मित करने और समाज में वापस लौटने का अवसर मिल सकता है।

माध्यम से रिहा किए गए बंदियों तथा कारागार में निरुद्ध व्यक्तियों के परिवारों के लिए सहायता तंत्र को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया गया। इस प्रक्रिया में पैरा-लीगल वालंटियर्स, विधिक सेवा संस्थाओं और भूमिका को भी रेखांकित किया गया। माननीय श्री न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता में हुई चर्चा ने यह संदेश स्पष्ट रूप से स्थापित किया कि कारागार न्याय व्यवस्था का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि पुनर्वास और पुनर्समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण है। न्याय व्यवस्था को व्यक्ति के साथ उसके कारावास के दौरान, रिहाई के समय तथा समाज में पुनः स्थापित होने की प्रक्रिया में भी जुड़े रहना आवश्यक है। सम्मेलन के दूसरे दिन के प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता माननीय श्री न्यायमूर्ति एस.सी. शर्मा, न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई। 2024 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा बच्चों के लिए संरक्षण, सहभागिता, विधिक सहायता, पुनर्वास एवं गरिमा सुनिश्चित करने वाली बाल-केंद्रित न्याय प्रणाली को मजबूत करने पर विचार-विमर्श हुआ। बच्चों के लिए विधिक सेवा इकाइयों को सुदृढ़ करने, संवेदनशील बच्चों की समय पर पहचान, जमीनी स्तर तक पहुंच तथा न्यायपालिका, विधिक सेवा संस्थाओं, बाल संरक्षण प्राधिकरणों और अन्य हितधारकों के बीच संस्थागत समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। क्क्ष्टस्ह्र मामलों में पीड़ित-केंद्रित एवं बाल-मित्रवत दृष्टिकोण, प्रभावी विधिक प्रतिनिधित्व, क्षतिपूर्ति, मनोसामाजिक सहयोग तथा पुनःआघात से संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

न्याय अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे—सम्मेलन का साझा संकल्प : दो दिवसीय सम्मेलन के समापन पर यह साझा दृष्टिकोण सामने आया कि न्याय तक पहुंच केवल न्यायालय कक्ष तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन सभी व्यक्तियों और समुदायों तक पहुंचनी चाहिए जो विधिक संरक्षण एवं सशक्तिकरण में विभिन्न बाधाओं का सामना कर रहे हैं। सम्मेलन में जागरूकता, रोकथाम, विवाद समाधान, विधिक प्रतिनिधित्व, संरक्षण, पुनर्वास और पुनर्समावेशन को न्याय तक पहुंच की एक निरंतर श्रृंखला के रूप में देखा गया।

नए शादीशुदा जोड़ों के लिए जरूरी हैं ये टिप्स वरना बनने से पहले ही टूट सकता है रिश्ता

शादी के बाद आपका रिश्ता सिर्फ आपके पार्टनर के साथ ही नहीं बल्कि उसके घरवालों से भी जुड़ता है। इसलिए आपको अपने साथी के अलावा उसके घरवालों का भी बराबर ध्यान रखना होता है। शादी के बाद केवल अपने बारे में ही सोचना गलत होता है, इसलिए परिवारवालों की जरूरतों का भी ध्यान रखें। जब आप पार्टनर के घरवालों का पूरी तरह से ध्यान रखते हैं, तो इसका सकारात्मक असर आपके रिश्ते पर भी पड़ता है।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि नए कपल को एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा वक्त जरूर लगता है, लेकिन आपसी समझ और सहमति से रिश्ते को मजबूती मिलने में कठिनाई नहीं होती। हालांकि शुरुआत का यह वक्त बहुत अहम होता है, जहां थोड़ी सी चूक भी आपके रिश्ते को खराब कर सकती है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि न्यूली मैरिड कपल पर हर किसी की निगाहें टिकी रहती हैं। शादी केवल दो लोगों के बीच का बंधन नहीं होता, बल्कि रिश्तो में समझ और समझौते को भी शामिल करना पड़ता है। शादी के बाद पति और पत्नी को यह समझने की जरूरत होती है, कि अब उनके हर एक फैसले और कदम का असर शादीशुदा जीवन पर भी पड़ेगा। हम कुछ ऐसी ही बातों को आपको बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप अपने नए रिश्ते को बेहतर बना सकते हैं।

एक-दूसरे के साथ बातचीत में न हिचकिचाएं

जब आप शादीशुदा होते हैं तो किसी भी समस्या को अपने तक सीमित नहीं रख सकते। अपने पार्टनर को हर एक बात बताना आपका फर्ज बनता है। इससे आप उन्हें अपनी कोई समस्याओं बताने में भी हिचकिचाहट महसूस नहीं करेंगे, जिससे आप दोनों के बीच कभी कोई गलतफहमी नहीं पनप पाएगी। इससे आपके और पार्टनर के बीच किसी भी बात पर बहस होने की संभावना भी कम रह जाती है।

फिनेंशियल प्लानिंग में बनाएं एक-दूसरे को हिस्सा

पति-पत्नी दोनों को एक-दूसरे से पैसों से संबंधित बातों को जरूर शेयर करना चाहिए। हम ऐसा नहीं कह रहे हैं कि आपको एक-दूसरे के अकाउंट्स पर नजर रखनी चाहिए, लेकिन अपने पार्टनर को अपने इन्वेस्टमेंट के बारे में जरूर जानकारी देनी चाहिए। ताकि भविष्य में आप जब भी कोई प्लानिंग करें, तो आपको फाइनेंशियल स्टेटस के बारे में अच्छे से पता हो। कई बार आप पार्टनर से पैसों से जुड़ी जानकारी छिपा बैठते हैं, जिसका बाद में पता लगने पर साथी को न सिर्फ तकलीफ पहुंचती है बल्कि वह आप पर संदेह भी करने लगता है।

घरवालों के साथ भी बनाए मजबूत रिश्ता

शादी के बाद आपका रिश्ता सिर्फ आपके पार्टनर के साथ ही नहीं बल्कि उसके घरवालों से भी जुड़ता है। इसलिए आपको अपने साथी के अलावा उसके घरवालों का भी बराबर ध्यान रखना होता है। शादी के बाद केवल अपने बारे में ही सोचना गलत होता है, इसलिए परिवारवालों की जरूरतों का भी ध्यान रखें। जब आप पार्टनर के घरवालों का पूरी तरह से ध्यान रखते हैं, तो इसका सकारात्मक असर आपके रिश्ते पर भी पड़ता है।

हार या जीत की न रखें भावना

कई बार कपल्स आपस में ही एक से दूसरे को बेहतर दिखाने में लग जाते हैं। इस कारण आपका रिश्ता तो खराब होती ही है, साथ ही बाकी घरवालों को भी ठेस पहुंचती है। शादी में किसी की भी जीत या हार नहीं होती, बस दोनों के बीच एकता होनी चाहिए। आपको अपने पार्टनर को यह विश्वास दिलाने की जरूरत होती है कि आपके मन में उनके लिए बहुत प्रेम और सम्मान है। आप उनकी सफलता से खुशी महसूस करते हैं। कपल्स के बीच इस तरह का विश्वास होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपसी तालमेल के लिए हीन भावना से परे होकर एक-दूसरे के लिए नि-स्वार्थ प्रेम रखिए।

क्या आपको भी है बैठे-बैठे पैर हिलाने की आदत हो सकती है ये गंभीर बीमारी

हार्ट अटैक के खतरे को दोगुना बढ़ा देती है आपकी आदत.

ज्यादातर लोग जब तनाव में होते हैं तब पैर हिलाते हैं.

पैर हिलाने की आदत को नकारात्मक विचारों से भी जोड़कर देखा जाता है.

कई बार जब आप बहुत ज्यादा तनाव या चिंता में होते हैं, तब बैठे-बैठे पैर हिलाते रहते हैं. बेवजह पैर हिलाने की आदत को रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है. एक स्टडी के मुताबिक, जिन लोगों को पैर हिलाने की ऐसी समस्या होती है, उनमें हार्ट अटैक का खतरा दोगुना बढ़ जाता है क्योंकि, est ess e s n rome सीधे तौर पर नींद कम आने की समस्या से जुड़ा है.

बढ़ जाएगा हार्ट अटैक का खतरा

पैर हिलाने की मामूली सी लगने वाली आपकी आदत हार्ट अटैक के खतरे को दोगुना बढ़ा देती है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऋह्महृह्ययद्रह्मह्म स्ध्दह्म स्ब्ठ्ठस्रह्मश्वद्द्र से पीड़ित व्यक्ति नींद आने से पहले 200 से 300 बार अपना पैर हिला चुका होता है. इससे ब्लड प्रेशर और दिल की धड़कन बढ़ जाती है. ये आगे चलकर कार्डियोवस्कुलर डिजीज की वजह बन सकता है.

पैर हिलाने की आदत को हल्के में न लें

पैर हिलाने से दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है. कई स्टडीज में ये बात सामने आई है कि पैर हिलाने से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है. इसकी वजह से नींद नहीं आती और हार्ट अटैक का खतरा रहता है. अगर आपको भी पैर हिलाने की आदत है तो इसे हल्के में न लें.

दिमाग में आते हैं नकारात्मक विचार

ज्यादातर लोग जब तनाव में होते हैं तब पैर हिलाते हैं. कुछ लोग स्मोकिंग और ड्रिंक करते समय भी पैर हिलाते हैं. पैर हिलाने की आदत को नकारात्मक विचारों से भी जोड़कर देखा जाता है, जब लोग पैर हिलाते हैं, तब ज्यादातर लोगों के दिमाग में उस समय निगेटिव बातें होती हैं।

भोजन के तुरंत बाद नहीं पीना चाहिए पानी

भोजन के तुरंत बाद पानी पीने से पाचन तंत्र में मौजूद रस प्रभावित होते हैं। ये रस भोजन को पचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। मगर, जब वो पानी के साथ घुल जाते हैं तो खाना पचने में अधिक समय लगता है। कई बार तो खाना ठीक से पच भी नहीं पाता। इंसुलिन का बढ़ना भोजन के बाद तुरंत पानी पीने की आदत इंसुलिन हार्मोन पर असर डालती है। इससे इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे डायबिटीज का खतरा रहता है। लाभ एसिड रिफ्लक्स पेट में एसिड की मात्रा अधिक होने पर वो फूड पाइप के जरिए गले तक पहुंच जाता है।

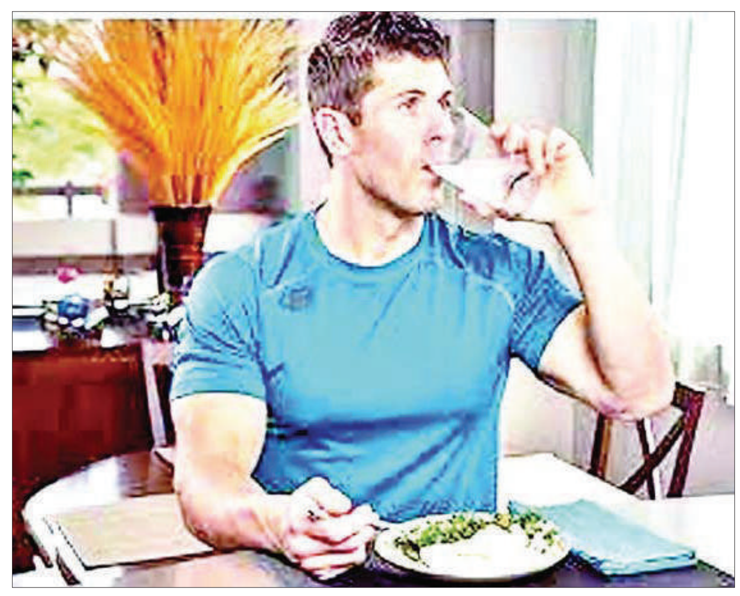

कुछ लोगों की आदत होती है कि वो खाना खाने के तुरंत बाद ही पानी पी लेते हैं कुछ लोगों की आदत होती है कि वो खाना खाने के तुरंत बाद ही पानी पी लेते हैं। वहीं, कुछ लोग भोजन के साथ-साथ ही पानी पीते रहते हैं लेकिन आपकी यह एक आदत सेहत पर भारी पड़ सकती है। आयुर्वेद की मानें तो भोजन के कम से कम 30 मिनट बाद या पहले ही 1-2 गिलास पानी पीना चाहिए। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना आपको पाचन से जुड़ी कई समस्याएं दे सकता है। भोजन के तुरंत बाद क्यों नहीं पीना चाहिए पानी? दरअसल, इससे पाचन तंत्र में खाना और पानी एक साथ घुल जाते हैं, जिससे भोजन ठीक तरह से पच नहीं पाता। वहीं, लंबे समय तक नियमित ऐसा करने से कई तरह की हैल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

भोजन के तुरंत बाद पानी पीने से पाचन तंत्र में मौजूद रस प्रभावित होते हैं। ये रस भोजन को पचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। मगर, जब वो पानी के साथ घुल जाते हैं तो खाना पचने में अधिक समय लगता है। कई बार तो खाना ठीक से पच भी नहीं पाता। इंसुलिन का बढ़ना भोजन के बाद तुरंत पानी पीने की आदत इंसुलिन हार्मोन पर असर डालती है। इससे इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे डायबिटीज का खतरा रहता है। लाभ एसिड रिफ्लक्स पेट में एसिड की मात्रा अधिक होने पर वो फूड पाइप के जरिए गले तक पहुंच जाता है। इसके कारम खट्टी डकारें आने की समस्या हो सकती है, जिसे एसिड रिफ्लक्स कहते हैं। जंकफूड, धूम्रपान के अलावा यह आदत भी खट्टी डकारों का कारण बन सकती है। हार्टबर्न की समस्या भोजन के साथ और पानी का सेवन साथ में करने से पाचक रस और एल्जाइम्स की एकाग्रता कम हो जाती है, इस कारण शरीर में अम्लीय स्तर बढ़ जाता है और हमारे सीने में जलन होने लगती है, जिसे हार्टबर्न भी कहा जाता है। पोषक तत्वों की कमी पाचन तंत्र सिर्फ भोजन को पचाता ही नहीं है बल्कि पोषक तत्वों को अवशोषित भी करता है। ऐसे में जब भोजन ठीक सतरह से पच नहीं पाता तो पोषक तत्व ठीक तरह से अवशोषित नहीं हो पाते। मोटापे का कारण भोजन का सीधा संबंध पाचन तंत्र से है। जब खाना पच नहीं पाता तो अपाच्य खाने से बना ग्लूकोज फैट का रूप ले लेता है। इससे धीरे-धीरे मोटापा बढ़ने लगता है।

घर पर ही सोने के गहनों की चमक लौटाएं बिना ज्वेलर के खर्चे के!

शादी या त्योहार के मौकों पर महिलाएं अपनी गोल्ड की ज्वैलरी पहनना ही पसंद करती हैं। सोने के गहने नॉर्मल दिनों में घर में तो पहने नहीं जाते हैं इन्हें किसी खास मौके पर पहनने के लिए ही रखा जाता है। मगर रखे-रखे इनकी चमक थोड़ी फीकी पड़ जाती है। सोने की चमक फीकी देखकर उसे पहनने का मन नहीं करता है। ऐसे में परेशान होने की जरुरत नहीं है। आप घर पर ही अपनी ज्वैलरी को साफ करके पहले जैसी चमक वापस ला सकती हैं। बस इसके लिए आपको कुछ टिप्स फॉलो करने होंगे। इन टिप्स की मदद से आपकी ज्वैलरी पहले की तरह भी हो जाएगी और आपकी सुदंरता में ये चार चांद भी लगा देगी। आइए आपको इन स्पेशल टिप्स के बारे में बताते हैं।

> ज्वैलरी साफ करने के लिए बेकिंग सोडा ओर सिरका फायदेमंद है। इसका इस्तेमाल करने के लिए एक कटोरी में बेकिंग सोडा और गर्म पानी मिक्स करके एक पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को ज्वैलरी पर लगाएं। ये पेस्ट लगाने के बाद इसे सफेद सिरके से धोएं। धोने के बाद गहनों को पानी की मदद से अच्छे तरीके से साफ कर लें।

बेकिंग सोडा और सिरका

ज्वैलरी साफ करने के लिए बेकिंग सोडा ओर सिरका फायदेमंद है। इसका इस्तेमाल करने के लिए एक कटोरी में बेकिंग सोडा और गर्म पानी मिक्स करके एक पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को ज्वैलरी पर लगाएं। ये पेस्ट लगाने के बाद इसे सफेद सिरके से धोएं। धोने के बाद गहनों को पानी की मदद से अच्छे तरीके से साफ कर लें। इसके बाद आपके गहनों में पहले जैसी चमक आ जाएगी।

टूथपेस्ट से करें साफ

कभी आपने सोचा था आपके दांत साफ करने वाला टूथपेस्ट आपकी ज्वैलरी भी साफ कर सकता है। नहीं ना तो आपको बताते हैं कि कैसे इसका इस्तेमाल करें। इसके लिए एक कटोरी में टूथपेस्ट में पानी की कुछ बूंदे मिलाकर उसे पतला पेस्ट बना लो। अब एक ब्रश की मदद से इस पेस्ट से ज्वैलरी साफ करें। जब आपकी ज्वैलरी साफ हो जाए तो फिर इसे पानी से धो लें।

डिश सोप का करें इस्तेमाल

बर्तन धोने वाले डिश सोप से भी सोने की ज्वैलरी को साफ किया जा सकता है। ज्वैलरी साफ करने के लिए एक कटोरे में गर्म पानी लें और उसमें डिटर्जेंट लिक्विड मिला लें। अब गहनों को इस पानी में डुबोकर कुछ देर के लिए रख दें। फिर सॉफ्ट ब्रश की मदद से इसे साफ कर लें। इसके बाद साफ पानी से ज्वैलरी को धो लें और कपड़े से पोछ लें।

नींबू से करें साफ

सोने के गहने साफ करने के लिए आप नींबू का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी में कुछ बूंदे नींबू की डालें। अब इस लिक्विड में ज्वैलरी डालकर 20 मिनट तक क लिए रख दें। इससे गहने में जमा सारी गंदगी अपने आप बाहर आ जाएगी।

इन बातों का रखें ध्यान

-सोने की ज्वैलरी को साफ करते हुए हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि इन्हें साफ करते समय ब्लीच का इस्तेमाल ना करें। इससे सोने का रंग उतर जाता है। -सोने से बनी ज्वैलरी को बाकी चीजों से अलग रखें। अगर ऐसा नहीं करेंगे तो इससे आपकी ज्वैलरी पर स्क्रैच पड़ने के चांसेस हो जाते हैं।-ज्वैलरी को साफ करने के बाद इसे रुई में लपेटकर ही बॉक्स में रखें। इससे सोने की चमक बनी रहेगी।

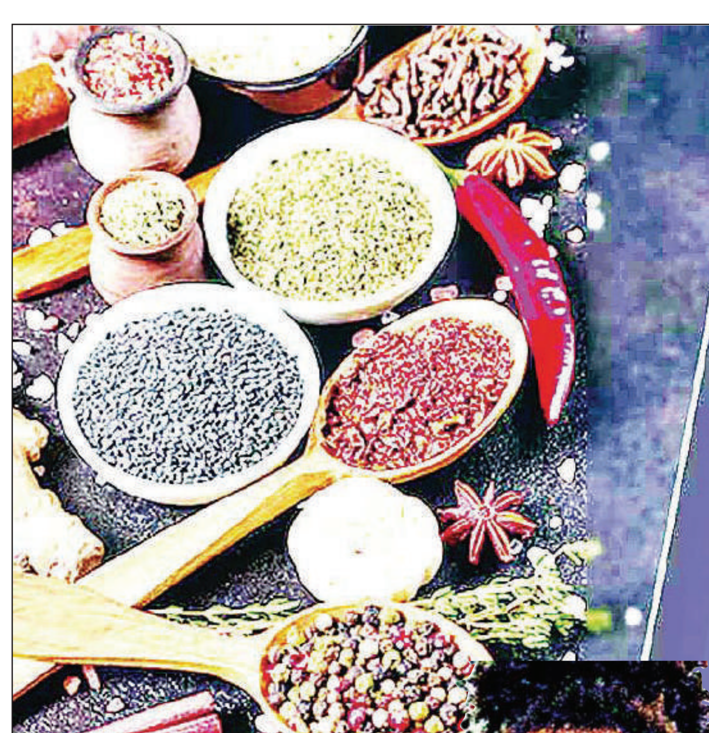

सूजन और दर्द कम करने के लिए इंग्रेडिएंट्स

शरीर में दर्द और सूजन रहने के कई कारण हो सकते हैं। बॉडी पेन कुछ स्वास्थ्य समस्याओं और पर्याप्त आराम न मिलने के कारण हो सकता है। वहीं शरीर में सूजन गुम चोट या बीमारियों का लक्षण हो सकती है। अगर आपको अक्सर यह समस्या रहती है, तो डॉक्टर से जल्द से जल्द संपर्क करें। क्योंकि चेकअप के जरिये असली वजह समझी जा सकती है। ऐसे में डाइट में कुछ चीजें शामिल करने से भी आपको काफी मदद मिल सकती है। हमारी किचन में ही कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं, जिनके सेवन से सूजन और दर्द कम हो सकता है। आइये इस लेख में जानें इन चीजों के बारे में।

अदरक का सेवन करें-

मसल्स पेन और इंफ्लामेशन कम करने के लिए अदरक का इस्तेमाल लंबे समय से हो रहा है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और दर्द को कम करते हैं। डेली डाइट में आप अदरक की चाय या डिटॉक्स की तरह सेवन कर सकते हैं। बाहरी रूप से सूजन कम करने के लिए गर्म पानी में नमक और अदरक डालकर प्रभावित स्थान पर डालें।

हल्दी का सेवन करें- गुम चोट लगने पर हल्दी का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। हल्दी में भी एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण कर साथ एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-फंगल गुण भी होते हैं। इसके सेवन से शरीर में दर्द और सूजन भी खत्म होती है। हल्दी को प्रभावित स्थान पर लगाकर रखने से जख्म भी भरने लगते हैं। शरीर में दर्द और सूजन दूर करने के लिए आप हल्दी का दूध या काढ़ा पि सकते हैं।

लहसुन का सेवन करें-शरीर की सूजन दूर करने के लिए आप लहसुन का सेवन भी कर सकते हैं। जोड़ों के दर्द की समस्या में लहसुन के तेल से मालिश करना भी फायदेमंद होता है। इसमें सूजन कम और क्रैम्प्स से राहत देने वाले गुण पाए जाते हैं। लहसुन के सेवन के लिए इसे व्यंजन में इस्तेमाल करें। इसके अलावा, आप लहसुन के तेल को प्रभावित स्थान पर लगा सकते हैं।

लौंग होगी फायदेमंद- शरीर में दर्द और सूजन दूर करने के लिए लौंग भी फायदेमंद है। यह इंफेक्शन कम करने और क्रैम्प्स से राहत देने में मदद करती है। इसके लिए आप लौंग की चाय पी सकते हैं। इसके अलावा, लौंग को खाने में इस्तेमाल भी कर सकते हैं। हाथ-पैरों की सूजन करने के लिए लौंग का तेल भी फायदेमंद होता है।

ग्रीन टी- शरीर में दर्द और सूजन से राहत पाने के लिए आप ग्रीन टी का सेवन भी कर सकते हैं। वजन घटाने से लेकर बॉडी को रिलैक्स रखने के लिए यह फायदेमंद है। ग्रीन टी को आप दिन में दो बार पी सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

25 हजार+ रन और 577 विकेट

ब्रेट ली ने तेंदुलकर नहीं इस दिग्गज को बताया सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

नई दिल्ली। मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर दुनिया के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों में 10,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी जैक्स कैलिस दुनिया के इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे में 10,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ दोनों फॉर्मेट में 250 से ज्यादा विकेट भी लिए हैं। तेंदुलकर टेस्ट और वनडे में क्रमश: 15,921 और 18,426 रन स्कोर के साथ सबसे ज्यादा रन

बनाने वाले खिलाड़ी हैं, वहीं कैलिस को दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने तीनों प्रारूप मिलाकर 25000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 277 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया है कि वे तेंदुलकर को अब तक का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज और कैलिस को अब तक का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर मानते हैं।

सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस-ली ने यूट्यूब पर पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' में बात करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि मेरे हिसाब से सचिन तेंदुलकर अब तक के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन मेरी राय में सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस हैं। उनके आंकड़े दुनिया में सबसे अच्छे हैं। अगर आप उनके आंकड़े देखें तो वे कभी झूठ नहीं बोलते। वे सच में कमाल के हैं।'

कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे- ली ने आईपीएल में कैलिस के साथ बिताए अपने समय के बारे में भी बात की और बताया कि बैटिंग करने जाने से पहले कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे।

KBC में अमिताभ बच्चन ने पूछा सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल

आमिर खान-सनी देयोल को नहीं पता था जवाब

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति के 18वें सत्र के पहले एपिसोड में दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने आमिर खान, प्रीति जिंटा और सनी देओल ने भारतीय के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल पूछा। आमिर खान और सनी देओल को इसकी इसकी जानकारी नहीं थी। पंजाब किंग्स की सह-

मालकिन प्रीति जिंटा ने इसका जवाब दिया, लेकिन वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थीं। अमिताभ बच्चन ने 1 लाख रुपये के सवाल में पूछा कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में ऑरेंज कैप कौन जीता? इसके लिए स्क्रीन पर पर्पल कैप के सामने गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की फोटो दिखाई गई और पूछा गया कि ऑरेंज कैप के सामने किस खिलाड़ी को फोटो आएगी। इनमें 4 ऑप्शन केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी थे।

मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी- आमिर खान ने स्क्रीन की ओर देखते हुए प्रीति जिंटा से कहा, 'यार क्रिकेट का आपको पता होना चाहिए।'

गॉल में भारत का रिकॉर्ड

श्रीलंका से आखिरी बार यहीं टेस्ट गंवाया, केएल राहुल थे हिस्सा

1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले, भारत को 22 में जीत मिली है

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों देशों के बीच 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले गए। भारत को 22 में जीत मिली है और 7 में हार का सामना करना पड़ा। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम 11 साल से अजेय है। 2015 में उसे 63 रन से हार मिली थी। यह मैच गॉल में ही खेला गया था, जहां भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से पहला मैच खेला जाएगा। केएल राहुल उस मैच का हिस्सा थे और उनका बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन और विराट कोहली ने पहली पारी में शतक जड़े थे।

2015 गॉल टेस्ट के बाद भारत का दबदबा

इस मैच के बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 10 मैच हुए हैं। भारतीय टीम 8 मैच जीती है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। एक मैच गॉल में भी हुआ है, जिसमें भारत ने 2017 में 304 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने गॉल में 5 मैच खेले हैं। 2 में जीत मिली है और 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

घुटने की चोट के कारण

सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर

नई दिल्ली । दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा। सिनर ने एक बयान में कहा, 'अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना ??होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं।'

सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। 'सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।'

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे।इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

रोहित की छुट्टी

IPL खेल चुके खिलाड़ी को कमान, वनडे में नेपाल का बदला कप्तान

नई दिल्ली। नेपाल ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंस प्रीमियर कप से पहले वनडे क्रिकेट में कप्तान बदल दिया है। यह 50 ओवर का टूर्नामेंट 2027 एसीसी मेंस एशिया कप के लिए क्वालिफायर के तौर पर काम करता है। नेपाल ने इस टूर्नामेंट से पहले अनुभवी खिलाड़ी संदीप लामिछाने को रोहित पौडेल की जगह कप्तान बना दिया है।

लामिछाने के पास इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का अनुभव है। 2018-2019 में दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे और 9 मैच खेले थे। उन्होंने 13 विकेट लिए थे। 26 साल के इस लेग स्पिनर ने वनडे में 77 मैच खेले हैं और 154 विकेट लिए हैं।

पौडेल की कप्तानी में निखरा नेपाल- 2022 में पौडेल के कप्तानी संभालने से पहले लामिछाने ने 14 वनडे मैचों में नेपाल की कप्तानी की थी। पौडेल ने अपने कार्यकाल में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल को 12 में से 11 वनडे मैच जिताने में मदद की, जिससे टीम ने जून 2023 में जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जगह बनाई।

लामिछाने की उपलब्धियां

पौडेल ने बैटिंग ऑर्डर में एक भरोसेमंद और अहम खिलाड़ी की भूमिका निभाई। लामिछाने के नाम उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले नेपाली खिलाड़ी है। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी हैं।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्ड 2027 के लिए क्वालिफाई

- आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

राशिद और यामिन ने जीत दिलाई

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

UPT20: जुरेल जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से कैसे मिलता है फायदा?

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश टी20 (क्क्ष20) लीग का चौथा सीजन इस बार और भी भव्य और रोमांचक होने जा रहा है। गोरखपुर लायंस की टीम ने टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज आर्यन जुयाल

और तेज गेंदबाज विशाल निषाद ने टीम की तैयारियों, रणनीतियों और आगामी सीजन पर मीडिया से विशेष बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने से क्या लाभ मिलता है। दोनों खिलाड़ी आईपीएल में चुने जा चुके हैं खिलाड़ियों के अनुसार इस सीजन में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा रहने वाला है। टीम प्रबंधन और ओनरशिप ने ऑक्शन से लगभग डेढ़ महीने पहले ही होमवर्क शुरू कर दिया था, जिसके दम पर एक संतुलित और मजबूत टीम कॉम्बिनेशन तैयार किया गया है।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप: बंदरों से निपटने का उपाय

लंगूर की आवाज निकालने वालों की ली जाएगी सेवा

नई दिल्ली। अगले सप्ताह दिल्ली में शुरू होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान बंदरों के खलल को रोकने के लिए आयोजकों ने एक अनोखा उपाय अपनाया है। उन्होंने तीन पेशेवर विशेषज्ञों को बुलाया है, जो लंगूर की तरह आवाज निकाल सकते हैं ताकि बंदरों को स्टेडियम से दूर भगाया जा सके।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने माना कि यह उपाय सुनने में लोगों को मजाकिया लग सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे यह भी पता चलता है कि भारत इस विश्वस्तरीय आयोजन को सफल बनाने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास कर रहा है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प- 17 वर्षों बाद भारत में लौट रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई)

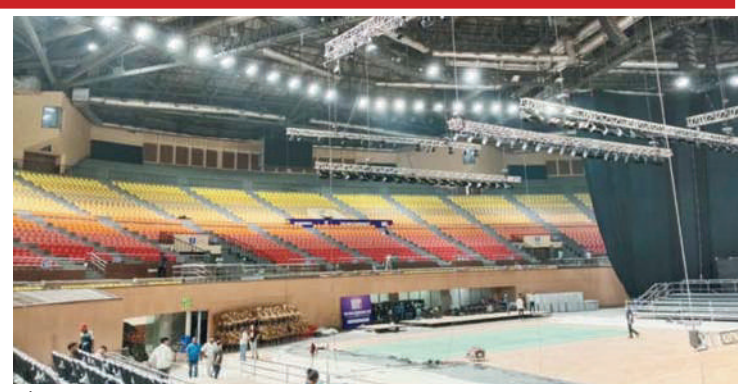

और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने मिलकर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प किया है। इसका उद्देश्य इस वर्ष जनवरी में हुए इंडिया ओपन के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई आलोचना जैसी स्थिति से बचना है।

- **'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदर**- आयोजकों ने तीन प्रशिक्षित 'मंकी व्हिस्परर्स' (बंदरों को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ) को नियुक्त किया है, जो लंगूर की आवाज निकालकर 'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदरों को डराकर भगाएंगे।

इंडिया ओपन में डाला था खलल

इंदिरा गाधी स्टेडियम में ही 17 से 23 अगस्त तक विश्व चैंपियनशिप आयोजित होगी। यह अनोखा कदम जनवरी में हुए इंडिया ओपन के बाद उठाया गया है। उस टूर्नामेंट के दौरान बंदर दर्शक दीर्घा तक पहुंच गए थे, जिससे कुछ समय के लिए मुकाबलों में व्यवधान पड़ा और इसकी तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बनी थीं।

लंगूर से डरते हैं 'रीसस मकाक'

विशेषज्ञों के अनुसार, 'रीसस मकाक' बंदर लंगूर से डरते हैं। लंगूर आकार में उनसे काफी बड़े होते हैं। इसी स्वाभाविक डर का फायदा उठाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि ऐसे कार्यों के लिए वास्तविक लंगूरों के इस्तेमाल पर वर्ष 2012 में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

यशपाल शर्मा

वर्ल्ड कप 1983 के नायक, जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम इंडिया को संभाला था

नई दिल्ली । वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम के अहम सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने कठिन परिस्थितियों में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। 11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा अपने मजबूत डिफेंस से किसी भी अटैक को बेअसर करने में माहिर थे। 1977-78 में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की तरफ से खेलते हुए उन्होंने साउथ जोन के खिलाफ 173 रन की पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई। अगले सीजन में यशपाल ने पाकिस्तान का दौरा किया, लेकिन टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। हालांकि, कुछ वक्त बाद टीम में आखिरकार मौका मिल ही गया। करीब दो दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर में यशपाल ने 160 मैच खेले, जिसमें 44.88 की औसत के साथ 8,933 रन बनाए। इस दौरान 21 शतक और 46 अर्धशतक शामिल रहे। यशपाल ने फर्स्ट क्लास करियर में 201 रन की नाबाद पारी भी खेली है। साल 1978 से 1985 के बीच यशपाल ने भारत के लिए 37 टेस्ट और 42 वनडे मैच खेलते हुए मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी। इस दौरान उनके बल्ले से टेस्ट फॉर्मेट में 33.45 की औसत के साथ 1,606 रन निकले, जिसमें 2

शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे फॉर्मेट में इस बल्लेबाज ने 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाए। 1981-82 में यशपाल शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 140 रन बनाते हुए जीआर विश्वनाथ के साथ 316 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यशपाल वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, जो उस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उन्होंने 8 मुकाबलों में 34.29 की औसत के साथ 240 रन बनाए। यशपाल ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 89 रन, जबकि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 61 रन की पारी खेली थी। रिटायरमेंट के बाद यशपाल कोचिंग, कमेंट्री और क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे। उन्होंने दो चरणों (साल 2004-05 और 2008-11) में नेशनल सिलेक्टर के तौर पर काम किया। कई घरेलू मुकाबलों में मैच रेफरी की भूमिका निभा चुके यशपाल शर्मा दिल्ली की क्रिकेट सलाहकार समिति का भी हिस्सा रहे। 13 जुलाई 2021 को दिल का दौरा पड़ने से यशपाल शर्मा का निधन हो गया। इस दिग्गज क्रिकेटर ने अपने करियर में साबित किया है कि बड़े मंच पर दबाव के बावजूद आत्मविश्वास और मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर गूंजा देशभक्ति का संगीत, आरपीएफ बैंड ने बांधा समां

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत भोपाल रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल बैंड की शानदार संगीतमय प्रस्तुति आयोजित की गई। भोपाल मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर आरपीएफ बैंड की प्रस्तुति का उत्साहवर्धन किया। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर आयोजित इस कार्यक्रम में आरपीएफ बैंड के जवानों ने राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न गीतों एवं देशभक्ति धुनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। बैंड की सुमधुर धुनों से स्टेशन परिसर देशप्रेम और उत्साह से सराबोर हो गया। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर आयोजित इस संगीतमय कार्यक्रम में आरपीएफ बैंड ने देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न गीतों एवं मधुर धुनों की शानदार प्रस्तुति देकर स्टेशन परिसर को राष्ट्रप्रेम, उत्साह और देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

एम्स भोपाल के प्रोफेसर ने योग और हृदय गति परिवर्तनशीलता पर वैज्ञानिक शोध साझा किए

भोपाल। सोसाइटी फॉर रिगोरस योगा साइंस (SRS) के साप्ताहिक ऑनलाइन शोध सत्र में एम्स भोपाल के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वरुण मल्होत्रा ने योगाभ्यासों के स्वायत्त प्रभावः हृदय गति परिवर्तनशीलता अनुसंधान से प्राप्त प्रमाण विषय पर व्याख्यान दिया। सत्र में एम्स, एस-व्यास विश्वविद्यालय, बीएचयू, डीएसवीवी और विभिन्न बीएनवाईएस संस्थानों के 20 से अधिक शोधकर्ता एवं विद्यार्थी शामिल हुए। डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि हृदय गति परिवर्तनशीलता स्वायत्त तंत्रिका तंत्र की कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण संकेतक है। उन्होंने एम्स भोपाल द्वारा किए गए शोधों का हवाला देते हुए बताया कि धीमी गहरी श्वास और अनुलोम-विलोम से पैरासिम्पेथेटिक गतिविधि बढ़ती है तथा हृदय गति परिवर्तनशीलता में सुधार होता है, जिससे मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। वहीं कपालभाति और सूर्य नमस्कार से सिम्पेथेटिक गतिविधि एवं शारीरिक ऊर्जा में वृद्धि के संकेत मिले हैं।

उन्होंने टाइप-2 मधुमेह पर किए गए एक अध्ययन का उल्लेख करते हुए बताया कि 40 दिनों के नियमित योगाभ्यास से वजन, बॉडी मास इंडेक्स और कमर-कूल्हे के अनुपात में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। उनके अनुसार योग शरीर की संरचना और चयापचय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है। व्याख्यान में तनाव, चिंता, अवसाद, भय, न्यूरोप्लास्टिसिटी तथा मन-शरीर संबंध पर भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से चर्चा की गई। डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि धीमी श्वास मानसिक शांति और एकाग्रता से जुड़ी होती है, जबकि तेज श्वास भय और तनाव जैसी अवस्थाओं में देखी जाती है। उन्होंने भगवद्गीता में वर्णित ध्यान और एकाग्रता की अवधारणाओं को आधुनिक शोध से जोड़ते हुए योग के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संभावित लाभों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने हृदय गति परिवर्तनशीलता, योग अनुसंधान की पद्धति और भविष्य की संभावनाओं से जुड़े प्रश्न पूछे। यह सत्र पारंपरिक योग ज्ञान और आधुनिक शरीर क्रिया विज्ञान के बीच वैज्ञानिक संवाद का प्रभावी मंच साबित हुआ।

राष्ट्रीय स्वर संधि अंताक्षरी में भोपाल के विशुद्धसागर ग्रुप ने जीता प्रथम स्थान

भोपाल। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा ग्वालियर में आयोजित राष्ट्रीय स्वर संधि अंताक्षरी प्रतियोगिता के फिनाले में भोपाल के दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विशुद्धसागर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर शहर और मध्य रीजन का गौरव बढ़ाया। समाज प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर से हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। फिनाले में मध्य रीजन की राजधानी भोपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए श्रीमती अंशु सुमित जैन एवं श्रीमती नीतू सुनील जैन ने अपने मधुर गायन, सुरों की उत्कृष्ट समझ, आत्मविश्वास और प्रभावशाली प्रस्तुति से निर्णायकों एवं दर्शकों को प्रभावित करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर भोपाल जैन समाज, विभिन्न मंदिर समितियों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने दोनों विजेताओं को बधाई दी।

मप्र के नेशनल पार्क और अभयारण्यों के नदी- नाले उफान पर

विभाग ने बढ़ाई वन्यजीवों के सुरक्षित पयार्वास के ठिकानों की निगरानी

भारी बारिश से वन क्षेत्रों में बढ़ा जलस्तर

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून की सक्रियता का असर न केवल शहरों में दिखाई दे रहा है बल्कि, प्रदेश के जंगल भी जलमग्न हो रहे हैं। वन क्षेत्रों, नदी-नालों और वन्यजीव आवासों में भी जलभराव और तेज बहाव की स्थिति को देखते हुए वन अमला जहां सतर्क हो गया है। वहीं बढ़ते जल स्तर को देखते हुए वन्यजीवों के सुरक्षित पयार्वास व ठिकानों की निगरानी भी बढ़ा दी है। जानकारी के मुताबिक मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी और सिंगरौली जैसे पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश के कारण जंगलों से गुजरने वाले नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। इसका असर वन्यजीवों के आवास, भोजन और सुरक्षित आवाजाही पर भी पड़ सकता है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अचानक बढ़ा जलस्तर छोटे नालों, कच्चे रास्तों और निचले वन क्षेत्रों को काट देता है। इससे हिरण, चीतल, सांभर, जंगली सूअर जैसे शाकाहारी वन्यजीव ऊंचे और सुरक्षित स्थानों की ओर जाते हैं। इसके साथ ही बाघ और तेंदुए जैसे

मांसाहारी जीवों की गतिविधियों का क्षेत्र भी बदल सकता है। इससे वन्यजीवों को खतरा भी हो सकता है। इसको देखते हुए निगरानी बढ़ाकर पैदल गश्त दुगनी करने के निर्देश दिये गये है। इसलिये बढ़ाई निगरानी वन क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति को केवल आपदा नहीं बल्कि वन प्रबंधन और जल संरक्षण का संकेतक भी माना जाता है। संवेदनशील नालों की मैपिंग, जलस्तर की निगरानी, वन मार्गों की नियमित जांच और वन्यजीवों की आवाजाही पर निगरानी में यह महत्वपूर्ण है। साथ ही यह मानव बस्तियों की ओर वन्यजीवों का पलायन रोकने में भी मददगार है। जंगल के लिए पानी नहीं नुकसानदायक है जलभराव बारिश वन पारिस्थितिकी के लिए जरूरी है। जलस्त्रोतों का पुनर्भरण, मिट्टी में नमी और वनस्पतियों की वृद्धि मानसून पर निर्भर है। लेकिन कम अवधि में अत्यधिक बारिश होने पर मिट्टी का कटाव, वन मार्गों को नुकसान और छोटे पुल-पुलियों पर दबाव बढ़ सकता है। अब तक किसी वन्यजीव अभयारण्य या नेशनल पार्क में जलभराव से नुकसान के समाचार नहीं है। मानसून व बारिश का देखते हुए विभाग के अधिकारी-कर्मचारी निगरानी कर रहे हैं। पैदल गश्त दुगनी की गई है।

प्रदेश में निवेश से गुजरात- मध्यप्रदेश के संबंध होंगे और प्रगाढ़ युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर - मुख्यमंत्री

पीएम मित्र पार्क में 1200 करोड़ रुपए के निवेश से औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात के साथ मध्यप्रदेश के संबंधों को और प्रगाढ़ करते हुए अरविंद समूह द्वारा मध्यप्रदेश में भी अपनी इकाई स्थापित की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप पीएम मित्र पार्क में अगले वर्ष तक उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अरविंद समूह द्वारा 3 स्थानों पर अपनी इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। इनमें देवास के निकट बरलाई, धार स्थित पीएम मित्र पार्क और इंदौर का बेटमा शामिल हैं। कंपनी इन स्थानों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कर रही है। इन औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से प्रदेश में युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद में अरविंद लिमिटेड के वाइस चेयरमैन श्री कुलीन लालभाई से चर्चा के बाद कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात और मध्यप्रदेश के बीच सहयोग से दोनों

राज्यों के संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे। औद्योगिक निवेश से एक ओर जहां प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उद्योगों से प्राप्त होने वाले कर राजस्व से राज्य के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश के विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने इस पहल के लिए अरविंद लिमिटेड को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मध्यप्रदेश में कंपनी के प्रस्तावित निवेश, पीएम मित्र पार्क में उद्योग की स्थापना, रोजगार सृजन, वस्त्र एवं परिधान (टेक्सटाइल) क्षेत्र में निवेश, औद्योगिक क्षेत्रों में जल के पुनः उपयोग तथा सिंहस्थ-2028 के लिए आधुनिक संचार व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान अपर मुख्य सचिव, उद्योग श्री नीरज मंडलोई, सचिव, उद्योग श्री जॉन किंसले तथा एमडी, एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला उपस्थित रहे। **पीएम मित्र पार्क में 1200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित-** अरविंद लिमिटेड द्वारा पीएम मित्र पार्क में लगभग 1200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इसके लिए कंपनी को 105 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इंदौर में संचालित पेपकोन प्रायवेट लिमिटेड के साथ कंपनी के अनुबंध के तहत प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख परिधानों का निर्माण किया जाता है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएम मित्र पार्क में उद्योग की स्थापना और निवेश प्रक्रिया को गति देने पर चर्चा की। सीसीआईपी के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने तथा शासन स्तर पर प्रस्ताव के त्वरित परीक्षण एवं अनुमोदन की दिशा में आवश्यक कार्यवाही पर भी विचार-विमर्श हुआ। वस्त्र एवं परिधान उद्योगों के लिए उपलब्ध निवेश प्रोत्साहनों की जानकारी भी दी गई। इनमें पूंजी अनुदान, ब्याज अनुदान, स्टॉम्प एवं पंजीयन शुल्क की प्रतिपूर्ति, ग्रीन इंडस्ट्रियलाइजेशन तथा अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के लिए सहायता सहित अन्य प्रावधान शामिल हैं। **औद्योगिक क्षेत्रों में जल के पुनः उपयोग को मिलेगा बढ़ावा-** औद्योगिक क्षेत्रों में जल के पुनः उपयोग के लिए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज समाधान की संभावनाओं पर भी विचार हुआ। मध्यप्रदेश में विकसित किए जा रहे 90 से अधिक औद्योगिक पार्कों में टेक्सटाइल, फार्मा एवं अन्य औद्योगिक क्लस्टरों में कॉमन जेडएलडी प्रणालियों की स्थापना की संभावनाओं पर चर्चा की गई। औद्योगिक पार्कों को निकटवर्ती नगर निगमों के एसटीपी से जोड़कर सर्कुलर वॉटर इकोनॉमी मॉडल विकसित करने के सुझाव पर भी विचार हुआ। सिंहस्थ-2028 में आधुनिक संचार व्यवस्था के उपयोग की तैयारी सिंहस्थ-2028 में मिशन-क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क के उपयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। अरविंद लिमिटेड एवं जेएम बक्सी समूह के संयुक्त उद्यम आर्य ऑम्निटॉक सॉल्यूशंस द्वारा मिशन-क्रिटिकल वायरलेस कम्युनिकेशन, वॉकी-टॉकी नेटवर्क, पीएमआरटी तथा सार्वजनिक सुरक्षा संचार समाधान उपलब्ध कराए जाते हैं।सिंहस्थ-2028 में पुलिस, सुरक्षा बल, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आयोजन प्रबंधन के लिए इस प्रकार के मिशन-क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क के उपयोग की संभावनाओं पर विचार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीआईएस-2027 के लिए किया आमंत्रित मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री कुलीन लालभाई को मध्यप्रदेश में निवेश के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2027 में सहभागिता के लिए भी आमंत्रित किया।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर गंदगी पड़ी भारी

एनजीटी के निर्देश पर 10.06 लाख रुपये का जुमार्ना

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर गंदगी के मामले में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में 10.06 लाख रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति राशि का आकलन पेश किया है। सुनवाई में एनजीटी कोर्ट के न्यायमूर्ति एसके सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने बताया कि रेलवे से इस राशि की वसूली के लिए नोटिस जारी किया गया है। सुनवाई के दौरान रेलवे ने अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें पिछली सुनवाई के निदेर्शों के अनुसार पर्यावरणीय क्षति का आकलन किया गया। रेलवे ने नोटिस का जवाब देने के लिए समय मांगा, जिसे एनजीटी ने दो सप्ताह का समय दिया। अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ओर से बताया गया कि एनजीटी की वेबसाइट के पोर्टल पर उसका नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा है। इस पर पीठ ने रजिस्ट्री को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि सीपीसीबी अपना जवाब दाखिल कर सके। इसके लिए दो सप्ताह का समय दिया गया है। कचरा प्रबंधन की बदहाल स्थिति एनजीटी के समक्ष पेश की गई संयुक्त समिति की रिपोर्ट में भोपाल रेलवे स्टेशन पर कचरा प्रबंधन में कई खामियां सामने दर्शाई गईं। प्लेटफार्म नंबर चार और पांच के पास नालियां चोक और ओवरफ्लो मिलीं, जबकि प्लेटफार्म छह पर ठोस कचरा भंडारण स्थल पूरी तरह ढंका नहीं था।

दतिया उपचुनाव के बाद मप्र के तीन बड़े नेताओं ने पीएम मोदी से की मुलाकात

कुछ अन्य नेताओं ने भी पीएमओ से मांगा है समय

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में हार से मप्र भाजपा में बड़े उठापठक की संभावना जताई जा रही है। साथ ही पार्टी के भीतर विवाद बढने की स्थित बन रही है। 3 अगस्त को चुनाव परिणाम के अगले ही दिन पार्टी ने समीक्षा बैठक कर दतिया भाजपा की पूरी कार्यकारिणी को ही भंग कर दिया है। जबकि कुछ नेताओं पर कार्रवाई के लिए हाईकमान तक सिफारिश कर दी है। इस बीच मप्र भाजपा के तीन बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद वीडी शर्मा और मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की है। जबकि कुछ अन्य नेताओं ने पीएमओ से मुलाकात के लिए समय मांगा है। केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों की प्रधानमंत्री से मुलाकात सामान्य मानी जाती हैं। शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय कृषि एवं पंचायत मंत्री हैं। लोकसभा चल रही है। ऐसे में उनकी प्रधानमंत्री से मुलाकात होना सामान्य है। इसी तरह खजुराहो सांसद वीडी शर्मा की भी प्रधानमंत्री से मुलाकात सामान्य है। क्योंकि रोजाना किसी न किसी क्षेत्र के सांसद प्रधानमंत्री से मुलाकात करते हैं। नरेन्द्र सिंह तोमर मप्र विधानसभा के अध्यक्ष हैं, अध्यक्ष के नाते उनकी भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात होना सामान्य है। लेकिन दतिया विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह से मप्र के नेता एक के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर रहे हैं। उससे मप्र में सियासी पारा चढ़ रहा है। राजनीतिक गलियारों में मुलाकातों को लेकर अलग-

अलग खबरें तैरने लगी हैं। हर नेता का समर्थक अपने हिसाब से खबर को तूल देने में लगा है। तीनों नेताओं के पीएम से मुलाकात की तस्वीरें बाहर आईं तो मप्र भाजपा अलर्ट मोड में आ गई। चर्चा के केंद्र में दतिया चुनाव का परिणाम प्रधानमंत्री मोदी के साथ मप्र तीनों नेताओं की अलग-अलग दिन करीब 15 मिनट से 30 मिनट तक की लंबी मुलाकातें हुई हैं। चर्चा है कि पीएम के साथ चर्चा में विकास के मुद्दे के अलावा मप्र के विषयों पर भी चर्चा हुई है। जिसमें दतिया विधानसभा चुनाव का परिणाम भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जिन तीन नेताओं ने पिछले 8 दिन के भीतर मुलाकातें की हैं। उनमें शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा और नरेन्द्र सिंह तोमर की प्रदेश भर में पकड़ है और अपने लोग हैं।

मप्र में अपार आईडी बनाने की अनिवार्यता बन रही बाधक

पौने दो लाख विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षा फार्म अटकेंगे

भोपाल। प्रदेश के पौने दो लाख विद्यार्थियों की दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा आवेदन में भारत सरकार की अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) आईडी व्यवस्था बाधक बन सकती है। इसे देखते हुए चालू शिक्षा सत्र से इस आईडी की अनिवार्यता खत्म करने की मांग स्कूल शिक्षा विभाग ने माध्यमिक शिक्षा मंडल से की है। दरअसल कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी बनाने के लिए तय समय सीमा में यह आईडी नहीं बन पा रही है। इसके बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने माध्यमिक शिक्षा मंडल को इसकी समय सीमा बढ़ाने के लिए कहा है। लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9वीं के नामांकन तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा आवेदन प्रक्रिया में अपार आईडी को वैकल्पिक आईडी के रूप में स्वीकार करने और आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2026 तक बढ़ाने को भी कहा है। लोक शिक्षण संचालनालय समग्र शिक्षा (सेकेंडरी एजुकेशन) की ओर से सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल को लिखे पत्र में कहा गया है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा

10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं के आवेदन तथा कक्षा 9वीं के नए विद्यार्थियों के नामांकन आवेदन में डीआईएसई पोर्टल पर आधारित अपार आईडी को अनिवार्य जानकारी के रूप में मांगा गया है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 9वीं से 12वीं तक करीब 80 प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी बन चुकी है, जबकि लगभग 20 प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी बनना अभी बाकी है। संचालनालय ने आशंका जताई है कि यदि अपार आईडी को अनिवार्य रखा गया तो जिन विद्यार्थियों की आईडी अभी नहीं बनी है, वे कक्षा 9वीं के नामांकन और कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा आवेदन से वंचित हो सकते हैं। इससे विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षा में शामिल होने में भी परेशानी उत्पन्न हो सकती है। यहां बता दें कि प्रदेश में करीब नौ लाख विद्यार्थी हाईस्कूल परीक्षा देने वाले हैं। अपार आईडी की जगह ऑप्शनल आईडी की मांग विद्यार्थियों की परेशानी को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9वीं के नामांकन आवेदन तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा आवेदनों में अपार आईडी को फिलहाल वैकल्पिक आईडी के रूप में स्वीकार करने का अनुरोध किया है। साथ ही आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2026 तक बढ़ाने की मांग की गई है, ताकि सभी विद्यार्थी आसानी से अपने नामांकन एवं परीक्षा आवेदन जमा कर सकें। 2027-28 से अपार आईडी अनिवार्य करने का प्रस्ताव संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2027-28 के परीक्षा आवेदनों में अपार आईडी को अनिवार्य आईडी के रूप में रखा जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को पर्याप्त समय में अपार आईडी बनवाने का अवसर मिल जाएगा और भविष्य में परीक्षा आवेदन प्रक्रिया के दौरान किसी विद्यार्थी को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बिजली उपभोक्ताओं पर बढ़ेगा बोझ, महंगी मिलेगी बिजली

मप्र में 20 हजार करोड़ के निवेश के बाद भी बढ़ेगा लाइन लॉस, 5 साल के बिजली टैरिफ पर उठे सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश में बिजली व्यवस्था को मजबूत करने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद अगले पांच वर्षों के लिए वितरण हानि यानी लाइन लॉस का स्तर बढ़ाने का प्रस्ताव सामने आया है। इससे एक अप्रैल 2027 से लागू होने वाले नए मल्टी ईयर टैरिफ पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि लाइन लॉस बढ़ाने का प्रस्ताव सीधे बिजली दर बढने का प्रमाण नहीं है, लेकिन वितरण कंपनियों की लागत और राजस्व जरूरतों की गणना में इसका असर पड़ सकता है। मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी ने पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के लिए अगले पांच वर्षों का वितरण हानि प्रोजेक्शन मप्र विद्युत नियामक आयोग के सामने रखा है। प्रस्ताव में पूर्व क्षेत्र की हानि 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत और मध्य क्षेत्र की 24.5 प्रतिशत तक रखने का अनुमान है। बिजली

वितरण व्यवस्था में सुधार के लिए प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। स्मार्ट मीटरिंग, नई लाइनें, ट्रांसफार्मर क्षमता बढ़ाने और नेटवर्क को मजबूत करने पर भी खर्च हो रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब बिजली व्यवस्था में हजारों करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है तो अगले पांच वर्षों के लिए वितरण हानि का अनुमान इतना अधिक क्यों रखा गया है। बिजली मामलों के जानकारों का कहना है कि यदि निवेश का उद्देश्य लाइन लॉस कम करना है और इसके बावजूद भविष्य की गणना में अधिक हानि स्वीकार की जाती है तो सुधारों के परिणामों की समीक्षा जरूरी है। पूर्व क्षेत्र और मध्य क्षेत्र में बढ़ाने का प्रस्ताव प्रस्तावित आंकड़ों की तुलना करें तो पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की वितरण हानि 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत करने का अनुमान है। यानी इसमें करीब 9 प्रतिशत अंक की वृद्धि प्रस्तावित है। इसी तरह मध्य क्षेत्र की वितरण हानि को 24.5 प्रतिशत तक रखने का प्रोजेक्शन दिया गया है। मौजूदा 14 प्रतिशत के मुकाबले यह करीब 10.5 प्रतिशत अंक अधिक है। हालांकि यह आंकड़े भविष्य के अनुमान हैं और अंतिम रूप से इन्हें नियामक आयोग ही स्वीकार या संशोधित करेगा। लाइन लॉस का मतलब सिर्फ तारों में बिजली का नुकसान नहीं वितरण हानि को केवल बिजली के तारों में होने वाले तकनीकी नुकसान के रूप में देखना सही नहीं होगा। इसमें तकनीकी और वाणिज्यिक दोनों तरह की हानियां शामिल होती हैं। तकनीकी नुकसान में पुरानी लाइनें, ओवरलोडिंग, ट्रांसफार्मर और नेटवर्क की क्षमता से जुड़े नुकसान आते हैं। वहीं बिजली चोरी, गलत मीटरिंग, बिलिंग की कमियां और राजस्व वसूली में कमी वाणिज्यिक नुकसान को बढ़ाती है। यही वजह है कि स्मार्ट मीटरिंग और नेटवर्क सुधार के साथ बिजली चोरी रोकना तथा समय पर बिल वसूलना भी लाइन लॉस घटाने के लिए जरूरी है। क्या बढ़ेगा उपभोक्ता का बिजली बिल? इस सवाल का जवाब फिलहाल सीधे तौर पर हां नहीं है। वितरण हानि का आंकड़ा बढ़ाने का अर्थ यह नहीं है कि उतने प्रतिशत बिजली बिल बढ़ जाएंगे।

आधी रात में मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन की फाइल चली

भोपाल। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन को लेकर दायर याचिका ने सरकारी प्रक्रिया की समय-सारिणी पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने दावा किया कि बोर्ड के पुनर्गठन से जुड़ी नोटशीट पर रात एक बजे हस्ताक्षर किए गए। सवाल उठाया गया कि ऐसी क्या जल्दबाजी थी कि महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया आधी रात में पूरी करनी पड़ी। कार्यवाहक मुख न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद मुख्य सचिव सहित चार अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। चार जुलाई 2026 की अधिसूचना को चुनौती दी सिवनी निवासी शोएब राजा

खान ने चार जुलाई 2026 की अधिसूचना को चुनौती दी है। याचिका के अनुसार तीन जुलाई को बोर्ड के चार सदस्यों ने इस्तीफा दिया और अगले ही दिन सरकार ने इस्तीफे स्वीकार कर पूरे बोर्ड का नए सिरे से गठन कर दिया। अधिसूचना की वैधानिकता पर सवाल उठाया गया याचिकाकर्ता का तर्क है कि वक्फ अधिनियम की धारा 99 के तहत बोर्ड को भंग या अधिग्रहित किए बिना कार्यकाल के बीच पूरा बोर्ड बदलने का प्रविधान नहीं है।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)